सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 224 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 28 मई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

युक्तियुक्तकरण का विरोध : शिक्षकों को डर- खत्म हो जाएंगे 43 हजार से ज्यादा पोस्ट, सीएम साय बोले होंगी नई भर्तियां

सीएम साय की प्रेसवार्ता : वित्त विभाग को शिक्षकों की भर्ती का प्रस्ताव भेजा गया है, स्वीकृति मिलने पर भर्ती निकाली जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने 10 हजार से अधिक स्कूलों के युक्तियुक्तकरण करने का फैसला लिया है। इस फैसले के बाद शिक्षकों में भ्रांतियां हैं। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और शिक्षक भी सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। शिक्षकों को डर है कि युक्तियुक्तकरण से 43 हजार से ज्यादा पोस्ट खत्म हो सकते हैं। शिक्षकों का कहना है कि, ये फैसला शिक्षक गुणवत्ता से खिलवाड़ और सरकारी स्कूलों को कमजोर करने का प्रयास है। 2 शिक्षकों का 18 क्लासेस लेना संभव नहीं है। वहीं इस मामले में सीएम साय ने कहा है कि युक्तियुक्तकरण छात्रों के हित में है और इससे पद खत्म नहीं होंगे बल्कि नई भर्तियां भी होंगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तहत मंगलवार को रायगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए राज्य सरकार का युक्तियुक्तकरण का फैसला छात्रों के हित में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में शिक्षकों की पदस्थापना में असंतुलन है। कहीं हमारे स्कूल शिक्षक विहीन है, तो कहीं पर स्कूल एक शिक्षकीय है। मैदानी क्षेत्र के बहुत से ऐसे स्कूल हैं, जहां बच्चों के अनुपात में ज्यादा शिक्षक हैं। इसको हम लोग संतुलित कर रहे हैं। कहीं-कहीं एक ही परिसर में कई स्कूल हैं, कहीं दो-दो, तीन-तीन प्राइमरी स्कूल हैं, कहीं बच्चे नहीं हैं। इस असंतुलन को दूर करने के लिए हम सब जगह शिक्षक देना चाहते हैं, तो इसमें क्या बुराई है।

स्कूल बंद होने का भ्रामक प्रचार

सीएम साय ने का कहना है कि यह भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि स्कूल बंद हो रहे हैं। ऐसे स्कूल एक ही परिसर में हैं, कहीं बच्चे ही नहीं हैं। युक्तियुक्तकरण से शहरी क्षेत्र में बच्चों को 500 मीटर से दूर नहीं जाना पड़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र में एक किलोमीटर से दूर नहीं जाना पड़ेगा, ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी भ्रम फैलाया जा रहा है कि युक्तियुक्तकरण के बाद शिक्षक भर्ती नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम शिक्षकों की भर्ती करेंगे, हर साल जो कमी है उसको चरणबद्ध रूप से पूरा करेंगे। शिक्षक भर्ती का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है, जैसे ही इसकी अनुमति मिलेगी, हम शिक्षकों की भर्ती करेंगे। युक्तियुक्तकरण बच्चों के हित में है। इससे स्कूलों में शिक्षकों का असंतुलन दूर होगा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

10,463 शालाओं के युक्तियुक्तकरण का आदेश

गौरतलब है कि शिक्षा विभाग ने राज्य में कुल 10,463 शालाओं के युक्तियुक्तकरण का आदेश जारी किया है, जिसमें ई-संवर्ग की 5849 और टी-संवर्ग की 4614 शालाएं शामिल हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। यह युक्तियुक्तकरण आदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के निर्देशों के अनुरूप है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक संसाधनों का संतुलित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। शालाओं के युक्तियुक्तकरण अंतर्गत एक ही परिसर में संचालित 10,297 विद्यालयों को युक्तियुक्त किया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में एक किलोमीटर के दायरे में स्थित 133 विद्यालयों और शहरी क्षेत्र में 500 मीटर के दायरे में स्थित 33 विद्यालयों को भी युक्तियुक्त किया गया है। इस पहल से शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय शालाओं में अब अतिशेष शिक्षकों की तैनाती संभव होगी।

खास-खबर

बिलासपुर रेल मंडल ने एक्सप्रेस ट्रेन में अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़ने का लिया निर्णय

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन ने यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़ा जाएगा। यह सुविधा 29 मई से स्थायी रूप से शुरू होगी। गाड़ी संख्या 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस में यह सुविधा 29 मई से हैदराबाद से शुरू होगी। वहीं गाड़ी संख्या 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस में यह सुविधा 1 जून से रक्सौल से मिलनी शुरू होगी। रेलवे प्रशासन का यह कदम यात्रियों को अधिक कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने की दिशा में है। रेल प्रशासन के अनुसार वे यात्री सुविधाओं में लगातार वृद्धि कर रहे हैं। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

लेफ्ट फ्री लेन को जान ले, नहीं तो भरने पड़ेंगे 300 रुपए ट्रैफिक जुर्माना

बिलासपुर। अब चौक-चौराहों पर लगे सिग्नल में लेफ्ट फ्री लेन में बाइक या दूसरी गाड़ी खड़ी करने पर 300 रुपए का जुर्माना देना होगा। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात व्यवस्था बनाने के लिए इस नियम पर कड़ाई से अमल शुरू कर दिया है। मंगलवार से इसकी निगरारी भी शुरू हो गई है। नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की निगरानी हाईटेक तरीके से होगी। साथ ही चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस भी चालानी कार्रवाई करेगी।

दरअसल, शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत प्रमुख चौराहों पर सिग्नल और अत्याधुनिक कैमरे लगाए गए हैं। रेड सिग्नल के दौरान लेफ्ट टर्न लेने वालों के लिए लेन खाली छोड़ी जाती है। लेकिन शहर में इस नियम क पालन ही नहीं किया जा रहा है। बाइक, ऑटो और कार सवार इस लेन में खड़े होकर जाम की स्थिति बना देते हैं। उनकी वजह से लेफ्ट टर्न लेने वालों को भी ग्रीन सिग्नल तक रुकना पड़ता है। साथ ही बेवजह जाम की स्थिति बनी रहती है। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई शुरू की गई है। एडिशनल एसपी रामगोपाल करियारे ने सभी ट्रैफिक पाइंट पर तैनात अधिकारियों और जवानों को इस नियम का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के पंडीराम मंडावी को पद्मश्री सम्मान जनजातीय वाद्य यंत्रों के निर्माण में पारंगत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा बस्तर अंचल के गढ़बेंगाल निवासी पंडीराम मंडावी को वर्ष 2025 के पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उन्हें जनजातीय वाद्य यंत्र निर्माण और काष्ठ शिल्प कला के क्षेत्र में उनके अद्भुत एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

श्री मंडावी द्वारा पारंपरिक गोंड और मुरिया समाज की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों ने न केवल बस्तर की कला को राष्ट्रीय मंच दिया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत भी प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने श्री मंडावी को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की जनजातीय प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि का गौरवपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्री मंडावी जैसे कलाकारों ने अपनी साधना से यह सिद्ध किया है कि हमारी मिट्टी की कला विश्वपटल पर छा सकती है। यह पद्मश्री सम्मान बस्तर की लोकपरंपरा, शिल्प और सांस्कृतिक चेतना को राष्ट्रीय गौरव दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

देश में कोरोना की दहशतः देशभर में 1083 एक्टिव केस, केरल में सर्वाधिक, अब तक 12 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1083 पहुंच गई है। केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना पेशेंट हैं। मंगलवार को कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, गुजरात में 13 मरीज रिकवर हुए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। देशभर में अब तक कोरोना के कारण 12 लोगों की मौत हो गई है।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 पहुंच गई है। जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी।

वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई (रविवार) को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था। इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है।

भारत में कोविड का जेएन 1 वैरिएंट सबसे आम

भारत में कोविड का जेएन 1 वैरिएंट सबसे आम है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है। इसके बाद बीए 2 (26 प्रतिशत) और ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20 प्रतिशत) वैरिएंट के मामले भी मिलते हैं। जेएन 1 ओमिक्रॉन के बीए 2.86 का एक स्ट्रेन है। इसे अगस्त 2023 में पहली बार देखा गया था। दिसंबर 2023 में WHO ने इसे 'वैरिएंट ऑफइंटरेस्ट' घोषित किया। इसमें करीब 30 म्यूटेशन्स हैं, जो इम्यूनिटी कमजोर करते हैं।

भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ 7, एक्सएफजी, जेएन 1 और एनबी1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है। NB.1.8.1 A435S, V445H, और T478I जैसे स्पाइक प्रोटीन म्यूटेशन अन्य वैरिएंट की तुलना में तेजी से फैलते हैं। इन पर कोविड के खिलाफ बनी इम्यूनिटी का भी असर नहीं होता।

छत्तीसगढ़ में बनेगा भारत का पहला एआई सेज, रैकबैंक करेगा 1000 करोड़ का निवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत का पहला एआई-केन्द्रित स्पेशल इकोनॉमिक जोन (SEZ) अब छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर में बनने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में भारत का पहला एआई-आधारित रैकबैंक डेटा सेंटर एसईजेड बनाया जाएगा। यह स्पेशल इकोनॉमिक जोन पूरी तरह से कंप्यूटर, इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़ा होगा। इस परियोजना का विकास रैकबैंक डेटा सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड कर रही है, जिसमें करीब 1000 करोड़ का निवेश होगा।

यह एक ऐसा विशेष क्षेत्र होगा, जिसे केवल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और कंप्यूटर डेटा से जुड़ी तकनीकों के विकास और संचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। यहां अत्याधुनिक कंप्यूटर सिस्टम और सर्वर होंगे, जो सोचने जैसी क्षमता वाले एआई सिस्टम को चलाएंगे और दुनिया की बड़ी कंपनियां यहीं से अपना डिजिटल काम करेंगी। सरकार ने इस स्र्थ्र को टैक्स और अन्य कानूनी छूट दी है ताकि नई तकनीकों को तेजी से विकसित किया जा सके। यह पहली बार है जब भारत में ऐसा कोई क्षेत्र पूरी तरह एआई पर केंद्रित बनाया जा रहा है, जिससे नवा रायपुर देश का अगला डिजिटल और तकनीकी हब बनकर उभरेगा। इस परियोजना के जरिए भारत को वैश्विक स्तर पर टेक्नोलॉजी लीडर बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग मानी जा रही है।

एसईजेड लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में विस्तृत होगा

यह एसईजेड लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में विस्तृत होगा और इसमें आधुनिक तकनीक से लैस 1.5 लाख वर्ग फीट का डेटा सेंटर तैयार होगा। भविष्य में चार हाई-डेंसिटी डेटा सेंटर बनाने की योजना है, जिनकी कुल क्षमता 80 मेगावाट होगी, जो कई राज्यों के डिजिटल नेटवर्क को संभाल सकेगी। यह परियोजना छत्तीसगढ़ को देश के तकनीकी मानचित्र पर एक नया मुकाम देगी। रायपुर में बन रहे इस डेटा सेंटर में गूगल, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों की एआई सेवाएं चलेंगी। भारत पहली बार इन सेवाओं का केवल उपभोक्ता नहीं, एक आत्मनिर्भर निर्माता और होस्ट भी बनेगा।

नवा छत्तीसगढ़ की नई शुरुआत : सीएम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे नवा छत्तीसगढ़ की नई शुरुआत बताया है और कहा है कि यह निवेश युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर और राज्य के लिए तकनीकी पहचान लाएगा। साथ ही, यह योजना डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया के विज़न को आगे बढ़ाएगी। वहीं रैकबैंक के सीईओ नरेंद्र सेन ने बताया कि डेटा सेंटर में आईटी इंजीनियर, डेटा विशेषज्ञ, साइबर सुरक्षा अधिकारी, नेटवर्क मैनेजर और कई अन्य पद होंगे। कंपनी छत्तीसगढ़ के आईटीआई, इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक संस्थानों के साथ मिलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाएगी, जिससे छात्र इंडस्ट्री के लिए तैयार हो सकेंगे।

गावों व छोटे शहरों पर भी असर

इस पूरी परियोजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह केवल तकनीकी बातों तक सीमित नहीं है। इसका असर गांवों और छोटे शहरों तक पहुंचेगा। अब कांकेर, सुकमा, बिलासपुर या दंतेवाड़ा जैसे जिलों के छात्र भी यहीं रायपुर में रहकर ग्लोबल कंपनियों के साथ काम कर सकेंगे। उन्हें ना बेंगलुरु जाना पड़ेगा, ना विदेश। यह डेटा सेंटर पूरी तरह ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन के मानकों पर आधारित होगा और इसमें सौर ऊर्जा, जल संरक्षण और ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग किया जाएगा।

पुरातत्व विभाग का आतंक

श्रीकंचनपथ

कुछ ईंटें मिली, कुछ टूटे-फूटे बर्तन मिले और स्थल भारतीय पुरातत्व विभाग का हो गया। अब यहां जो भी लोग बसे हैं, उन्हें हटाया जाना है। पुरातत्व विभाग यहां खुदाई करेगा और इतिहास को सामने लाकर रखेगा। इससे लोगों को अपने प्राचीन इतिहास के बारे में प्रामाणिक जानकारी मिलेगी। एक ऐसा ही गांव है पोलड़। हरियाणा में कैथल से लगभग पंद्रह किलोमीटर की दूरी पर बसे पोलड़ गांव के बारे में भारतीय पुरातत्व विभाग का कहना है कि यहां एक गांव था जो महाभारत के युद्ध में नष्ट हो गया। यह स्थल कुरुक्षेत्र से 25 किलोमीटर दूर है। दावा है कि लगभग सात हजार की आबादी वाला यह गांव कभी रावण के दादा पुलस्त्य ऋषि की तपोस्थली रही है। पुरातत्व विभाग अब इसकी पुष्टि करना चाहता है। दरअसल, आजादी से पहले यहां खुदाई में कुछ सिक्के मिले थे। इसके अलावा मिट्टी तांबे के बर्तन, भार तौलने के पत्थर आदि 465 वस्तुएं मिली थीं। 1925 में इसे संरक्षित घोषित कर दिया गया। विभाजन के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर भारत आए लोगों ने यहां जमीनें खरीदीं और गांव बसा लिया। उसने गांव वालों को कब्जा हटाने का नोटिस दिया है। इससे पहले 2005 में भी गांव खाली करने का नोटिस आया था। तब से मामला अदालत में है। गांव के सरकारी स्कूल, आंगनवाड़ी, मन्दिर, मस्जिद, धर्मशाला और श्मशान को भी अतिक्रमण की श्रेणी में डाल दिया गया है। मजे की बात यह है कि भारतीय पुरातत्व विभाग के पास 3650 से अधिक प्राचीन स्मारक, पुरातात्विक स्थल और राष्ट्रीय महत्व के अवशेष हैं। ये स्थल विभिन्न काल से संबंधित हैं, जिनमें प्रागैतिहासिक काल से लेकर औपनिवेशिक काल तक शामिल हैं। इन स्मारकों में मंदिर, मस्जिद, चर्च, मकबरे, किले, महल, बावड़ी, चट्टान से बनी गुफाएं आदि शामिल हैं। एक तरफ इनमें ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, हुमायूँ का मकबरा जैसी मशहूर इमारतें शामिल हैं तो बड़ी संख्या में ऐसे स्थल भी शामिल हैं जहां आधी अधूरी खुदाई की गई है। इनमें से कहीं कहीं पुरातत्व विभाग के नीले बोर्ड लगे हैं तो अधिकांश जगहों से बोर्ड भी गायब हो चुके हैं। पोलड़ में भी कभी ऐसा कोई बोर्ड नहीं लगा। छत्तीसगढ़ में भी पुरातत्व विभाग के पास कई स्थल हैं। इनमें बालोद जिले के चिरचारी गांव स्थित बहादुर कलारिन की माची, करकाभाट में मिले प्राचीन कब्रों के अवशेष, दुर्ग जिले के पाटन तहसील अंतर्गत तरीघाट का क्षेत्र, आदि शामिल है। इन जगहों पर कोई आता जाता नहीं। तरीघाट में पांच सभ्यताओं के निवास के प्रमाण मिले हैं। लगभग 2000 साल पहले यहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार का केन्द्र था। पर अब यहां केवल खोदे हुए टीले हैं। कतार में सजी हुई पत्थर की ईंटें दिखाई देती हैं। करकाभाट की पथरीली जमीन पर जहां तहां कब्रों के अवशेष है जो किसी को आकर्षित नहीं करते। चिरचारी गांव में प्राचीन अवशेष लोगों के घरों और बाड़ियों में बिखरे हैं। सभी स्थल पर्यटन नक्शे पर हैं पर हासिल क्या?

संपादकीय

गुस्सा तो नक्सलियों के प्रति होना चाहिए

आम तौर पर माना जाता है कि जो बुरा करता है स्वाभाविक रूप से सारा गुस्सा उसके प्रति होता है। यह गुस्सा उन लोगों में होता है जिनके साथ बुरा किया गया होता है। समाज में भी गुस्सा उसी के प्रति ज्यादा होता है जिसने बुरा किया होता है। यह गुस्सा इसलिए होता है कि उसने बहुत बुरा किया है। यह गुस्सा इतना होता है कि जिसके साथ बुरा किया गया है वह तो चाहता है कि जिसने बुरा किया गया है, उसका समूल नाश हो जाए या वह उसका समूल नाश कर दे।नक्सलियों ने झीरम कांड कर कांग्रेस नेताओं की हत्या की, बुरा किया तो कांग्रेस नेताओं में नक्सलियों के प्रति गुस्सा होना चाहिए पर 12 साल बाद भी नहीं है।

> कांग्रेस ने रमन सिंह के समय घोर नक्सल इलाके में परिवर्तन यात्रा निकालने का फैसला किया था।यह दौर ऐसा था जब बस्तर में नक्सलियों की सामानांतर सत्ता हुआ करती थी, एक बड़े इलाके में वही होता था जो नक्सली चाहते थे। वह जब चाहे,जिसे चाहे, जैसे चाहे किसी को भी मार सकते थे। यह जानते हुए भी कांग्रेस ने घोर नक्सल इलाके से परिवर्तन यात्रा निकालने का फैसला किया तो यही कहा जा सकता है कि जोखिम तो कांग्रेस ने लिया था। यह जानते हुए भी कि कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा भी परिवर्तन यात्रा में शामिल होंगे और उनसे नाराज नक्सली उन पर मौका देखकर हमला कर सकते हैं। नक्सलियों के हमले का जोखिम तो था। यह बात रमन सरकार भी जानती थी और कांग्रेस नेता भी।

परिवर्तन यात्रा के दौरान झीरम घाटी में नक्सलियों ने जो किया बहुत बुरा किया। इसके लिए नक्सलियों की जितनी निंदा की जाए कम है। झीरम घाटी में नक्सलियों ने बडी़ संख्या में कांग्रेस नेताओं की बेरहमी से हत्या कर दी। उनकी बेरहमी से ही साफ हो जाता है कि नक्सलियों में कांग्रेस व कांग्रेस नेताओं को लेकर बहुत गुस्सा था और उसी गुस्से के कारण उनको मौका मिला तो झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं की हत्या कर दी।कांग्रेस नेताओं में अपने नेताओं की हत्या को लेकर बहुत गुस्सा तो नक्सलियों के प्रति होना चाहिए। उनको को कामना करनी चाहिए थी कि बस्तर से नक्सलियों का सफाया हो जाए।

हैरानी की बात है कि झीरम हत्याकांड के 12 साल बाद भी कांग्रेस नेताओं के मन में नक्सलियों के प्रति बहुत गुस्सा नहीं है। उनके बयानों से तो कहीं नहीं लगता है कि उनके नेताओं की हत्या के लिए कांग्रेस नेताओं के मन बहुत गुस्सा है। इतना गुस्सा होता तो वह नक्सलियों के मारे जाने पर खुशी मनाते। हैरानी इस बात की है कि कांग्रेस नेताओं के मन में नक्सलियों से ज्यादा गुस्सा 12 साल बाद भी रमन सरकार व भाजपा के प्रति है। उसके बयानों से ऐसा लगता है कि अपने नेताओं के नक्सलियों के हाथों मारे जाने के लिए वह रमन सरकार को दोषी मानती है। रमन सरकार से चूक हो सकती है। हो सकता है कि रमन सरकार जितनी सुरक्षा देना चाहती हो, वह ठीक समय पर नहीं दे पाई, वह जितना कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा के लिए कर सकती थी, की है। उसे भी पता कहां था कि कांग्रेस नेताओं के काफिले पर नक्सली हमला करने वाले हैं।

न कांग्रेस को पता था न सरकार को पता था कि नक्सली हमला करने वाले हैं। नक्सलियों ने तो मौके का फायदा उठाया। इस घटना को 12 साल हो गए हैं। हर साल झीरम हमले की बरसी पर कांग्रेस नेता शहीद नेताओं को श्रध्दांजलि देते हैं और रमन सरकार को कोसते हैं। नक्सलियों को कोई बुरा नहीं कहता है। घटना के बाद भूपेश बघेल झीरम कांड पर अक्सर कहा करते थे कि सबूत तो उनकी जेब मे है लेकिन पांच साल उनकी भी सरकार रही लेकिन वह झीरम मामले की जांच के मामले में कुछ नहीं कर सके। पांच साल का समय किसी घटना की जांच के लिए कम नहीं होता है। लेकिन भूपेश बघेल यही शिकायत करते रहे कि केंद्र सरकार ने हमे जांच नहीं करने दी। पांच साल हमने प्रयास किया मामले को सुप्रीम कोट ले गए लेकिन सुप्रीम कोर्ट से जब फैसला आया तो हमारी सरकार बदल गई थी।

पांच साल सरकार में रहने के बाद भूपेश बघेल इस बात का दुख तो जताते हैं कि वह झीरम कांड की जांच नहीं करा सके लेकिन वह कांग्रेस नेताओं की हत्या करने वाले नक्सलियों के प्रति आज भी गुस्सा नहीं जताते हैं।चरण दास महंत भी नक्सलियों के प्रति गुस्सा जताने के बजाय यही कहना ज्यादा पसंद करते हैं कि झीरम नरसंहार भाजपा के लिए उसकी तत्कालीन सरकार की चूक मात्र हो सकती है तथा उनकी सरकार द्वारा किया गया षड्यंत्र मात्र हो सकता है। भूपेश बघेल व कांग्रेस नेताओं में सबसे ज्यादा गुस्सा नक्सलियों के प्रति होना चाहिए था और पांच साल उनकी सरकार थी कि उनके पास मौका था नक्सलियों से बदला लेने का।

भूपेश सरकार के पास मौका था बस्तर से नक्सलियों का सफाया कर देने का लेकिन पांच साल में उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनके पास नक्सलियों से बदला लेने के लिए पांच साल का समय था अगर वह नक्सलियों से बदला लेने तो हर साल सौ नक्सलियों को मार कर पांच साल में पांच सौ नक्सलियों को मारकर अपना बदला ले सकते थे। उन्होंने ऐसा करने की जगह हर साल झीरम कांड के लिए भाजपा का कोसने का फैसला किया है और हर साल 25 मई को वह भाजपा को कोसती है। उसकी चूक के कारण हमारे नेता मारे गए। कायदे से जो काम कांग्रेस को अपने पांच साल के दौरान करना चाहिए वह काम भाजपा अपने दूसरे दौर में कर रही है और बहुत अच्छे से कर रही है।

उसने दिन भी तय कर रखा है कि 31 मार्च 26 तक नक्सलियों का बस्तर से सफाया कर दिया जाएगा। नक्सली व आतंकवादी मानवता के दुश्मन हैं, वह बेगुनाह लोगों की हत्या करते हैं तो सरकार किसी भी दल की हो उसका खून खौलना चाहिए। जैसे मोदी सरकार का खून पहलगाम की घटना पर खौला और उसने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया। उसी तरह साय सरकार भी नक्सलियों के बड़े ठिकानों पर हमला कर नष्ट कर रही है उसके बसव राजू जैसे बड़े नेताओं को मारकर छत्तीसगढ़ के नक्सलियों के हाथों मारे बेगुनाह लोगों व कांग्रेस नेताओं का बदला ले रही है।

राहुल गांधी पीएम मोदी का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि आपका खून कैमरे के सामने ही क्यों खौलता है। जनता को मालूम है कि मोदी का खून कम से कम खौलता तो है और वह आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई भी करते हैं लेकिन जनता यह भी देख रही है कि 12 साल हो गए कांग्रेस नेताओं की हत्या को लेकिन नक्सलियों के खिलाफ कांग्रेस के किसी नेता का खून कैमरे के सामने भी नहीं खौलता है। नक्सलियों के सबसे बड़े नेता बसव राजू के मारे जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मलिल्कार्जुन खरगे कहते हैं कि आपरेशन ब्लैक फारेस्ट बसव राजू व अन्य माओवादियों की हत्या एक सुनियोजित नरसंहार है। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी कहते हैं कि यह मुठभेड़ आदिवासियों के खिलाफ एक क्रूर हमला है,जिन्हें माओवादी बताकर मारा गया है।

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

रमेश सर्राफ धमोरा

सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है।

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

> भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।।

अर्थात: जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है।

भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

भारत की तीनों सेनाओ (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है।

इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है।

पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सज में आने के बाद उनके लिए भी अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ही होगा जैसा लड़कों का होगा। सर्विस रूट समान होते हैं। अब हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सेना में पूरी तरह जेंडर न्यूट्रलाइजेशन हो गया है।

सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है। अभी तक आमने-सामने की लड़ाई में महिलाओं को नहीं भेजा जाता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले की स्क्वाड्रन लीडर मोहन सिंह 2016 में भारतीय वायु सेवा की तेजस फाइटर स्पाइडर में शामिल होने वाली पहली महिला बनी। इससे पहले वह मिग 21 बाइसन फाइटर प्लेन भी उड़ा चुकी है। ग्रुप कैप्टन सालिया धामी वायु सेवा की ऐसी पहली महिला अधिकारी बनी है जो फ्रंटलाइन काम्पैक्ट यूनिट की कमान संभाल रही है। फ्लाइंग यूनिट की फ्लाइट कमांडर बनने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी है। भारत की सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा और थलसेना एवं नौसेना की चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिला अधिकारी ही कर रही हैं।

रक्षा बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की प्रगति धीमी रही है। लेकिन लोगों का मानना है कि इसमें लगातार प्रगति हुई है। अब एक साथ बहुत सारी महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वे दूसरों के लिए रास्ता बना रही हैं। उनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अगर वे अच्छा काम कर रही हैं तो उन्हें स्वीकार करना आसान होगा और आने वाली महिलाओं के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत महिलाएं केवल 10 या 14 साल तक सेवाएं दे सकती हैं। इसके बाद वो सेवानिवृत्त हो जाती हैं। लेकिन अब उन्हें स्थायी कमीशन के लिए आवेदन करने का भी मौका मिलेगा। जिससे वो सेना में अपनी सेवाएं आगे भी जारी रख पाएंगी और रैंक के हिसाब से सेवानिवृत्त होंगी। साथ ही उन्हें पेंशन और सभी भत्ते भी मिलेंगे। 1992 में पांच साल के लिये शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए महिलाओं का पहला बैच भर्ती हुआ था। इसके बाद इस सर्विस की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया गया। 2006 में शार्ट सर्विस कमीशन को 14 साल कर दिया गया।

भारतीय सेना अब महिलाओं को सशत्र बल में नियुक्ति के लिए उनके लिए तय की गई नीतियों को लागू कर प्रोत्साहित करती है। इसके लिए महिलाओं के लिए आर्मी मेडिकल कोर, आर्मी डेंटल कोर और मिलिटरी नर्सिंग सेवाओं के लिए परमानेंट कमिशन को मंजूरी दी गई है। अब 11 आर्म्स एंड सर्विसेज में महिला अधिकारियों को परमानेंट कमिशन मिलता है। जिनमें आर्मी सर्विस कोर, आर्मी आर्डनेंस कोर, आर्मी एडुकेशन कोर, जज एडवोकेट जनरल ब्रांच, इंजीनियर कोर, सिगनल कोर, इलेक्ट्रॉनिक्स और मकैनिकल कोर, इंटेलिजेंस कोर, आर्मी एयर डिफेंस, आर्मी एविएशन, रीमाउंट एंड वेटनरी कोर आदि शामिल हैं।

परमानेंट कमिशन के बाद महिला अधिकारी इंडियन आर्मी के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में शामिल आर्टिलरी का हिस्सा बनने लगी है। सेना आर्टिलरी की लगभग 300 रेजिमेंट और लगभग 5,000 अधिकारी हैं। आर्टिलरी में शामिल महिला अधिकारियों की बोफोर्स, होवित्जर, के-9 वज्र जैसी तोपों पर भी 2023 में तैनाती की अनुमति दी जा चुकी है। वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बलों में नियुक्तियों में लैंगिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। पुरुष और महिला जवानों की हथियारों और सेवाओं के लिए तैनाती में किसी प्रकार का अंतर नहीं किया जाता है। सभी की पोस्टिंग सेना की जरूरतों के अनुसार की जाती है। भारतीय सेना में महिला अफसरों को परमानेंट कमिशन के लिए 23 नवंबर 2021 को एक जेंडर न्यूट्रल करियर प्रोग्रेशन पॉलिसी लाई गई थी। इसके जरिए महिलाओं को हथियारों व अन्य सेवाओं में समान अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

होटल प्रबंधन संस्थान में करियर निर्माण- सीमाओं को तोड़कर परिवर्तन की नयी राह

ज्ञान भूषण, (आईईएस), वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, पर्यटन मंत्रालय और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), भारत सरकार

डॉ. प्रतीक घोष, विभागाध्यक्ष, डॉ अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफहोटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, चंडीगढ़

नयी ऊर्जा से भरपूर वैश्विक आतिथ्य उद्योग के विस्तार के साथ भारत आतिथ्य के क्षेत्र में कुशल पेशेवर कर्मियों का शक्ति केंद्र बनने के लिए तैयार हो रहा है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) इस सिलसिले को आगे बढ़ाने में सबसे आगे हैं। इन संस्थानों को बहुत लंबे समय से उत्कृष्टता, व्यावहारिक प्रशिक्षण और विश्व स्तरीय पेशेवरों को तैयार करने की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। इन संस्थानों में अब आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं। ऐसे में इच्छुक छात्रों के लिए आतिथ्य के क्षेत्र में संतोषजनक करियर बनाने पर विचार करने का इससे बेहतर कोई और समय नहीं हो सकता।

होटल प्रबंधन संस्थान की विरासत पद्म संजीव कपूर, शेफ मंजीत गिल, पुनीत चटवाल, रंजू एलेक्स, पद्म शेफ दामू जैसी शख्सियतों से समृद्ध है। वास्तव में, अनुभवी और अपने क्षेत्र के दक्ष लोगों की यह सूची बहुत लंबी है। इसे और भी बढ़ाया जा सकता है और इसमें कई विख्यात मिशेलिन-सितारों और हस्तियों को शामिल किया जा सकता है। यह शानदार सूची आतिथ्य के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने के मामले में न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व में होटल प्रबंधन संस्थान की गहरी पहुंच और व्यापकता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

देश भर के होटल प्रबंधन संस्थान परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं ताकि वे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक स्तर पर उद्योग जगत की मांगों की पूर्ति के अधिक करीब हो सकें। सरकारी दिशा-निर्देशों और उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के आधार पर तेजी से लाए जा रहे परिवर्तनों के साथ इन संस्थानों में बेहतरीन रूप से प्रभावशाली शिक्षण वातावरण विकसित किया जा रहा है जिसमें न केवल छात्रों को शिक्षित किया जा सके बल्कि आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सक्षम होने हेतु प्रेरित भी किया जा सके।

उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करना

होटल प्रबंधन संस्थान आतिथ्य उद्योग के साथ संबंधों को मजबूत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां जो पढ़ाया और सिखाया जा रहा है उसमें उद्योग की अपेक्षाएं प्रदर्शित हों। इस तरह की साझेदारी से पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता बढ़ती है, छात्रों को उद्योग जगत का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होता है और रोजगार के लिए उनका आसानी से प्लेसमेंट सुनिश्चित होता है। इस प्रयास में ताज, मैरियट, ओबेरॉय, आईटीसी जैसे होटल ब्रांड और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सक्रियता से सहयोग कर रहे हैं। वे इंटर्नशिप, भर्ती सहायता और मेंटरशिप के अवसर प्रदान कर रहे हैं। केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों और प्रमुख होटल श्रृंखलाओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर इस सहयोग को और मजबूत करता है जिससे छात्रों को सुव्यवस्थित तरीके से संकाय-उद्योग संपर्क, संयुक्त रूप से अनुसंधान और सीखने के व्यावहारिक अनुभव के लाभ मिल पाते हैं।

पाठ्यक्रम अद्यतन करने के लिए कार्य बल

एक समर्पित कार्य बल ने नए-नए विषयों को शामिल करने के लिए होटल प्रबंधन संस्थानों के पाठ्यक्रम को संशोधित किया है ताकि उन्हें भविष्य के लिए तैयार रहने योग्य बनाया जा सके। इसमें आतिथ्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, डिजिटल मार्केटिंग, सतत पर्यटन से लेकर सांस्कृतिक विविधता प्रबंधन तक विभिन्न विषय शामिल किए गए हैं। इस तरह यह पाठ्यक्रम अब यह दर्शाता है कि 21वीं सदी में कार्य करने वाले कर्मियों की आवश्यकताएं क्या होंगी। छात्रों को न केवल मुख्य तौर पर होटल संचालन में बल्कि व्यवहार कुशलता, उद्यमिता और उभरती हुई तकनीकों में भी प्रशिक्षित किया जाता है। ये ऐसे कौशल हैं जो उन्हें बहुमुखी और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के योग्य बनाते हैं।

प्रवेश में वृद्धि के लिए उठाए गए कदम

होटल प्रबंधन संस्थानों ने इस क्षेत्र में काम करने की अधिक सामर्थ्य और संभावना वाले छात्रों को आकर्षित करने की आवश्यकता की पहचान करते हुए प्रवेश में वृद्धि के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें शामिल हैं:-

विद्यालयों और कैरियर मेलों में जागरूकता अभियान।

आतिथ्य शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच।

डिजिटल मंचों पर उपस्थिति में वृद्धि, जिससे छात्रों और अभिभावकों को प्रवेश संबंधी विवरण की जानकारी आसानी से मिल जाती है।

इसके अतिरिक्त, होटल प्रबंधन संस्थान प्रवेश की प्रक्रिया (एनसीएचएम-जेईई) को सुव्यवस्थित करने, इसमें पारदर्शिता, कुशलता बढ़ाने और छात्रों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

प्लेसमेंट के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां

प्लेसमेंट में निरंतरता के प्रदर्शन के लिए होटल प्रबंधन संस्थानों की व्यापक रूप से प्रतिष्ठा है। इनके अंतिम वर्ष के छात्रों को शीर्ष आतिथ्य श्रृंखलाओं, एयरलाइनों, क्रूज लाइनों और बहुराष्ट्रीय निगमों में नियुक्त किया जाता है। होटल प्रबंधन संस्थानों में बने प्लेसमेंट सेल उद्योग जगत के साथ सक्रियता से जुड़े रहते हैं ताकि यह सुनिश्चित कर सकें कि उनके स्नातकों के लिए शानदार नौकरियों के प्रस्ताव सुरक्षित हों। उदाहरण के लिए, इस वर्ष डॉ. अंबेडकर होटल प्रबंधन संस्थान (एआईएचएम) चंडीगढ़ ने एक छात्र एक प्लेसमेंट का शानदार शत-प्रतिशत रिकॉर्ड हासिल किया। इस क्षेत्र में क्रूज लाइनरों की रुचि एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति है, जो अब नियमित रूप से कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेते हैं और छात्रों को दुनिया भर के लग्जरी जहाजों पर रोमांचक अंतरराष्ट्रीय करियर के अवसर प्रदान करते हैं।

वैश्विक संपर्क और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

होटल प्रबंधन संस्थानों ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस क्रम में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी (अमेरिका) के साथ उल्लेखनीय साझेदारी से अकादमिक आदान-प्रदान, शोध सहयोग और वैश्विक नेटवर्किंग संभव हो सका है। वहीं, छात्रों को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ बर्मिंघम और मॉरीशस के मैरियट होटलों में प्रतिष्ठित इंटर्नशिप कार्यक्रमों से भी लाभ मिलता है, जहां उन्हें आतिथ्य के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है और जानकारी मिलती है। ये सहयोग छात्रों के जीवन और कार्यों के विवरण में बहुत अधिक महत्वपूर्ण बिन्दु जोड़ते हैं और उनके करियर के क्षितिज का विस्तार करते हैं।

संकाय विकास और नवाचार संस्कृति

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की शुरुआत उत्कृष्ट शिक्षकों से होती है। शिक्षक और संकाय सदस्य उद्योग जगत की दृष्टि से प्रासंगिक बने रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए कि होटल प्रबंधन संस्थानों ने शीर्ष होटल ब्रांडों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर संकाय विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस दौरान संकाय सदस्यों को नवीनतम उपकरणों, शैक्षणिक तकनीकों और आतिथ्य संबंधी रुझानों से परिचित कराया जाता है जिनके संबंध में वे पुन: कक्षाओं में इस्तेमाल करते हैं। इसके अतिरिक्त, होटल प्रबंधन संस्थान छात्रों को स्टार्ट-अप परियोजनाओं, शोध और उद्यमिता में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करके नवाचार और उन्हें इस क्षेत्र के लिए विकसित करने की संस्कृति का पोषण कर रहे हैं। संस्थानों में समर्पित इन्क्यूबेशन केंद्र छात्रों को खाद्य प्रौद्योगिकी, सतत पर्यटन और सेवा-क्षेत्र में नवाचार में आशाजनक उद्यमों के लिए मार्गदर्शन और प्रारंभिक वित्तपोषण प्रदान करते हैं।

विशेष सहयोग और रणनीतिक गठबंधन

होटल प्रबंधन संस्थान पारंपरिक आतिथ्य क्षेत्र के बाहर भी अनूठी साझेदारी की खोज कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, रक्षा बलों के साथ सहयोग, जिसके अंतर्गत रक्षा कर्मियों के लिए कौशल और उन्हें पुन: कुशल बनाने संबंधित कार्यक्रमों को चलाने के उद्देश्य से पुनर्वास महानिदेशालय के साथ मिलकर काम, प्रशिक्षण के लिए नए क्षेत्रों की शुरूआत और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को सुविधाजनक बनाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, भारतीय पाककला संस्थानों (आईसीआई) में की गई पहल पाककला शिक्षा को एक विशेष क्षेत्र के रूप में सुदृढ़ कर रही है, जिससे छात्रों के लिए उपलब्ध पेशेवर कार्यों के रास्तों की विविधता बढ़ रही है।

होटल प्रबंधन संस्थान क्यों चुनें?

होटल प्रबंधन संस्थान से डिग्री हासिल करना केवल एक योग्यता नहीं है - यह एक प्रतिष्ठित, लोगों पर केंद्रित और वैश्विक रूप से प्रासंगिक पेशे का प्रवेश द्वार है। इसमें छात्र आतिथ्य, विमानन, स्वास्थ्य सेवा, खुदरा और पर्यटन सहित कई उद्योगों में लागू होने वाले कौशल विकसित करते हुए वास्तविक दुनिया के वातावरण में फलना-फूलना सीखते हैं। होटल प्रबंधन संस्थान रोजगार, प्रौद्योगिकी और वैश्विक तत्परता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ परिवर्तनकारी शिक्षा का अनुभव प्रदान कर रहे हैं जो छात्रों को नेतृत्व की भूमिकाओं और उद्यमशीलता की सफलता के लिए तैयार करता है।

आतिथ्य उद्योग आज करियर के कुछ बेहद रोमांचक, तेज-तर्रार और प्रतिष्ठित अवसर प्रदान करता है। उनके लिए असीमित संभावनाएं हैं- चाहे वह लग्जरी होटल का प्रबंधन करना हो, विश्व स्तरीय अतिथि अनुभव डिजाइन करना हो, अंतर्राष्ट्रीय क्रूज लाइनरों पर काम करना हो, या अपना खुद का पाक उद्यम या इवेंट मैनेजमेंट फर्म चलाना हो। होटल प्रबंधन संस्थान रणनीतिक तौर पर अद्यतन होने के साथ ही, उद्योग जगत के साथ मजबूत भागीदारी और छात्र-प्रथम दृष्टिकोण के साथ आतिथ्य के क्षेत्र में शानदार करियर के लिए आदर्श लॉन्चपैड हैं। इस प्रकार, होटल प्रबंधन संस्थान के माध्यम से विश्व स्तरीय करियर निर्माण की गारंटी के लिए समय पर कदम उठाना सार्थक होगा। इसे इस प्रकार अच्छी तरह से व्यक्त किया गया है कि, जो कुछ करना है वह एक मिनट देर से करने से बेहतर है कि तीन घंटे पहले कर लें।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

तीन बालकिाओं का हुआ कबड्डी प्रतियोगिता में चयन

दुर्ग। छ.ग. शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बिलासपुर जिले में संचालित खेलों इंडिया स्टेट सेंटर ऑफएक्सीलेंस आवासीय अकादमियों में प्रवेश हेतु चयन ट्रायल का आयोजन 29 एवं 30 अप्रैल 2025 को स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहरतराई, जिला बिलासपुर में खेलों इंडिया लघु केन्द्र मर्रा तहसील पाटन जिला दुर्ग के बालिका कबड्डी खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में भाग लिया। जिसमें 03 बालिका कबड्डी खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में कु. जान्हवी नेताम कु. किंजल ठाकुर, एवं कु. दिव्या नेताम ग्राम दरवार मोखली, का नाम शामिल है। तीनों खिलाड़ियों का चयन जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए गौरव का विषय है। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंजलुस एक्का ने बताया कि बिलासपुर में स्थित इस आवासीय खेल अकादमी में खिलाड़ियों को न केवल गहन खेल प्रशिक्षण दिया जाएगा, बाल्कि उन्हें गुणावत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक आहार, खेल पारिधान, आवश्यक सामग्री और राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी का भी अवसर मिलेगा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

दुर्ग। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। जिले में संचालित समस्त मान्यता प्राप्त शासकीय एवं अशासकीय विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, मेडिकल, इंजीनियरिंग, नर्सिंग, पॉलीटेक्निक और आई.टी.आई. संस्थानों में अध्ययनरत् अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) की पात्रता रखते हैं, वे वेबसाइट के माध्यम से छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदनों के लिए आवेदन प्राप्ति, प्रस्ताव लॉक और स्वीकृति की विभिन्न तिथियाँ निर्धारित की गई हैं।

भिलाई निगम सेमरिया में लगाएगा आनग्रीड सोलर प्लांट, एमआईसी ने लिया निर्णय

क्रेंडा विभाग के सहयोग से होगी 1000 किलो वाट आनग्रीड सिस्टम के 2 प्लांट की स्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक मंगलवार को महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान ग्राम सेमरिया में स्थित भिलाई निगम की 74 एकड़ भूमि के खसरा नबंर 312/1 आनग्रीड सोलर प्लांट की स्थापना क्रेडा विभाग के सहयोग से 1000 किलो वाट का आनग्रीड सिस्टम के 2 प्लांट की स्थापना का निर्णय लिया गया।

जिसकी लागत 12.76 करोड़ आएगी। उत्पादित बिजली छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को दी जाएगी। उसके बदले में उसी मूल्य की राशि की बिजली से निगम भिलाई अपने विद्युत व्यय की प्रतिपूर्ति करेगा। एमआईसी के अनुशंसा के बाद शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। स्वीकृति पश्चात आगे की कार्यवाही की जावेगी।

निगम क्षेत्र में स्थित भवन अनुज्ञा प्राप्त आवास एवं व्यवसायिक परिसर में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाएगी। जिसके माध्यम से लगभग 1660 बचे हुए आवासीय एवं व्यवसायिक मकान है, जिनका निगम कोष में 15 हजार रुपए जमा है। उसी पैसे से उन मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाएगा। एमआईसी सदस्यगणो ने इस प्रस्ताव की सराहना की। महापौर नीरज पाल ने कहा इसे शीध्रता से पूरा किया जाए। इसके निविदा में यह शर्त रखा जाए कि कई एजेंसियों के माध्यम से काम कराया जाए। जिससे अधिक से अधिक संपादन कार्यो को बरसात आने से पूर्व कर लिया जाए।

बैठक में यह रहे मौजूद

भिलाईनगर विधायक देवेन्द्र यादव द्वारा विधायक निधि से शेष कार्य कराये जाने हेतु अतिरिक्त राशि 49.96 लाख अनुशंसा उपरांत 23 मार्च 2025 अनुसार प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होने के बाद उपरोक्त कार्य कराये जाने की अनुशंसा एमआईसी द्वारा प्रदान की गई। महापौर परिषद की बैठक में प्रभारी सदस्य लक्ष्मी पति राजू, एकांश बंछोर, सीजू एन्थोनी, केशव चौबे, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, चंद्रशेखर गंवई, नेहा साहू, रीता सिंह गेरा, मालती ठाकुर सहित आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, सचिव नरेन्द्र कुमार बंजारे, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, येशा लहरे, सतीश यादव, कुलदीप गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली आदि उपस्थित रहे।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

जोन 03 क्षेत्रांतर्गत सेक्टर 02 तालाब के पास निर्मित उद्यान में वीर शहीद राम आशीष यादव अमर बलिदानी स्मारक 3डी स्टेचू पेडस्टल प्रतिमा स्थापना एवं उद्यान का नामकरण करने के प्रस्ताव को महापौर परिषद ने अनुशंसा करके सामान्य सभा के समक्ष विचारार्थ रखने हेतु स्वीकृति प्रदान की। जोन 03 अंतर्गत वार्ड 56 सड़क 15 एवं 15ए के मध्य बैंडमिंटन कोर्ट निर्माण कार्य का स्थल परिवर्तन कर वार्ड 66 सेक्टर 02 सड़क 16 त्रिमूर्ति उद्यान में बैंडमिंटन कोर्ट निर्माण करने का सहमति प्रदान की गई। वार्ड पार्षद द्वारा स्वयं स्थल परिवर्तन का मांग किया गया था। निगम क्षेत्र में स्थित 500 सीट शहरी अजीविका केन्द्र निर्माण कार्य संशोधित प्राक्कलन अनुसार कार्य कराये जाने की अनुमति हेतु कुल राशि 800 लाख मात्र की स्वीकृति प्रदान की गई थी। उक्त कार्य में विद्युत कार्य एवं आधुनिक पार्किंग व्यवस्था कार्य शेष था। उक्त कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु 49.96 लाख की अतिरिक्त बजट की आवश्यकता थी।

बीएसपी की अवैध कब्जेधारियों और भू-माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा लगातार अवैध कब्जेधारियों और भू-माफिआओं के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी और टाउनशिप को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के प्रयास के तहत विगत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अवैध कब्जेधारियों, भू-माफिआओं एवं असंगठित अतिक्रमण के विरुद्ध ऐतिहासिक स्तर पर कार्यवाही की गई है। नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग ने माननीय संपदा न्यायालय के द्वारा पारित 323 डिक्री आदेशों का क्रियान्वयन करते हुए 784 बीएसपी आवास और दर्जनों भूमि से अवैध कब्जे को हटाने की रिकोर्ड कार्यवाही की है।

विभाग द्वारा विगत वित्त वर्ष में कुल 784 बीएसपी आवास अवैध कब्जेधारियों से खाली कराए गए। इन कार्यवाहियों के दौरान संबंधित आवासों में विद्युत विच्छेदन भी किया गया, जिससे इनका अवैध उपयोग रोका जा सके। वहीं माननीय संपदा न्यायालय द्वारा पारित 323 डिक्री आदेशों का क्रियान्वयन कार्यपालक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस बल की उपस्थिति में कराया गया, जो अब तक का एक अभूतपूर्व और रिकॉर्ड स्तर का कार्य है।

प्रवर्तन अनुभाग द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र की लगभग दो एकड़ भूमि अवैध कब्जेधारियों और भू-माफिआओं से मुक्त कराई गई। इसके अतिरिक्त, 660 अनफिट घोषित बीएसपी क्वार्टर, जिनमें अवैध कब्जा कर बिजली-पानी का उपयोग किया जा रहा था, खाली कराए गए। इन आवासों के विद्युत कनेक्शन विच्छेद के साथ-साथ उन्हें आंशिक रूप से ध्वस्त भी किया गया, जिससे दोबारा अतिक्रमण की कोई संभावना न रहे। इस अभियान के अंतर्गत संयंत्र के नगर सेवा विभाग के विद्युत् अनुभाग, सिविल विभाग सहित अन्य विभागों के सहयोग से अब तक 500 से अधिक अवैध स्ट्रक्चर ध्वस्त किए गए हैं। 225 से अधिक अवैध ठेले, जो सार्वजनिक स्थलों पर अनाधिकृत रूप से लगाए जाते थे, उन्हें भी जब्त किया गया है। इसके अलावा प्रवर्तन अनुभाग ने इस वर्ष 673 आवासों एवं भूखंडों का निरीक्षण किया, जिसके उपरान्त कुल 737 अवैध कब्जेधारियों को नोटिस भी प्रेषित किए गए हैं। साथ ही, संयंत्र क्षेत्र एवं टाउनशिप के प्रमुख मार्गों सहित अन्य क्षेत्रों से 6620 अवैध बैनर, पोस्टर एवं होर्डिंग्स हटाए गए, जिससे टाउनशिप के सौंदर्य एवं व्यवस्था में सुधार हुआ है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, भिलाई द्वारा स्कूली विद्यार्थियों के लिए निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम वर्ग में कक्षा छठवीं से आठवीं तक तथा द्वितीय वर्ग में कक्षा नवमी से बारहवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'प्लास्टिक कचरे का पर्यावरण पर दुष्प्रभाव एवं इससे बचने के उपाय' निर्धारित किया गया है। प्रथम वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निबंध की शब्द सीमा 700 शब्द तथा द्वितीय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 1000 शब्द रखी गई है। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता का विषय 'धरती को प्लास्टिक कचरे के प्रदूषण से बचाएं' है, जिसमें प्रतिभागी एक चौथाई चार्ट पेपर पर अपना पोस्टर बनाएंगे। प्रतिभागियों को निबंध एवं पोस्टर के पीछे अपना पूरा नाम, विद्यालय का नाम, पूर्ण पता तथा संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से अंकित करना होगा। उक्त प्रतियोगिताओं हेतु विद्यार्थी प्रविष्टियाँ 02 जून 2025 को दोपहर 12 बजे तक क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, 5/32 बंगला, में जमा कर सकते हैं।

दुर्ग व धमधा के 12 ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य के लिए 60 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2024-2025 में शासन द्वारा अनुमोदित निर्धारित लागत दर अनुसार अधोसंरचना निर्माण कार्यों की अनुशंसा प्राप्त हुई है। इसके आधार पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग द्वारा जनपद पंचायत दुर्ग के 7 एवं धमधा के 5 ग्राम पंचायतों में अटल डिजीटल सुविधा केन्द्र/सीएससी भवन निर्माण हेतु 60 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत दुर्ग के ग्राम करंजा-भिलाई में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम अण्डा में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम जेवरा में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम चिखली में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम चंदखुरी में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम नगपुरा में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम अंजोरा ख में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए स्वीकृति की गई है। इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा के ग्राम नंदिनी खुंदनी में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, दारगांव में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए, ग्राम नारधा में अटल डिजीटल सुविधा केंद्र/सीएससी भवन में 5 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीआईटी में सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण, नागरिक सुरक्षा के लिए मिली व्यापक जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) में एक दिवसीय सिविल डिफेंस जनजागृति प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों, प्राकृतिक आपदाओं तथा अग्निकांड जैसी घटनाओं में नागरिकों की तत्परता एवं जागरूकता को बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण जिला सेनानी होमगार्ड श्री नागेन्द्र कुमार सिंह, एसडीआरएफ व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा सिविल डिफेंस की भूमिका, प्राथमिक उपचार, अग्नि सुरक्षा उपाय, नागरिक सुरक्षा, हवाई हमलों के समय की जाने वाली कार्यवाही, ब्लैकआउट की प्रक्रिया, अग्निशमन के तरीके, प्राथमिक उपचार तथा बाढ़ जैसी आपदाओं में राहत एवं बचाव संबंधी जानकारी प्रदान की गई। छात्रों और संस्थान के कर्मचारियों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आपदा के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों को व्यवहारिक रूप से समझा। प्रशिक्षण के दौरान मॉक ड्रिल का आयोजन भी किया गया, जिसमें आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने के अभ्यास कराए गए। प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार सामान्य नागरिक भी आपातकाल में सुरक्षा बलों का सहयोग कर सकते हैं।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने वर्तमान समय में नागरिकों की भूमिका, आपदाओं के प्रति हमारी तैयारियों, अनुशासन और सिविल डिफेंस की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को आपात स्थिति में सहयोगी की भूमिका निभाने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल तकनीकी रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी सजग नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

28 करोड़ जमा नहीं करने पर रिसाली निगम हर माह बीएसपी पर लगाएगा 2 प्रतिशत पेनाल्टी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा ने भिलाई इस्पात संयंत्र को नोटिस जारी कर 28 करोड़ 86 लाख 30 हजार 37 रूपए जमा करने कहा है। राशि जमा नहीं करने पर कुल राशि पर 2 प्रतिशत पेनाल्टी हर माह जुड़ेगा। नगर पालिक निगम रिसाली ने संपत्तिकर की राशि कम होने पर वास्तवीक गणना कर नोटिस जारी किया है।

दरअसल नगर पालिक निगम भिलाई से अलग होकर बने रिसाली को भिलाई इस्पात संयंत्र हर वर्ष 1 करोड़ 52 लाख 41 हजार 45 रूपए संपत्तिकर के रूप में देता है। रिसाली निगम हर वर्ष संयंत्र के अधिकारियों को नए सिरे विवरणी कर राशि जमा करने की बात कह रही है। इसके बाद भी संयंत्र किसी तरह की रूचि नहीं दिखा रहा है। लगातार आय में कमी होने पर निगम आयुक्त मोनिका ने आवास समेत रिक्त भूमि की गणना कराने के बाद संपत्तिकर का निर्धारण करते नोटिस जारी की है।

वास्तविक टैक्स पर लगा पेनाल्टी

भिलाई इस्पात संयंत्र रिसाली को संपत्तिकर के रूप में 1 करोड़ 52 लाख 41 हजार 45 रूपए दे रहा है। वास्तविक गणना के बाद यह राशि बढ़कर 6 करोड़ 69 लाख 84 हजार 8 सौ 85 रूपए हो गई है। स्व विवरणी में गड़बड़ी होने पर एक्ट के तहत संपत्तिकर राशि में 5 गुना पेनाल्टी 23 करोड़ 50 लाख 6 हजार 5 सौ 45 रू. है। भिलाई इस्पात संयंत्र को अब पेनाल्टी के साथ कुल 28 करोड़ 86 लाख 3 हजार 37 रूपए जमा करना होगा।

इसका नहीं किया था निर्धारण

वास्तविक गणना में पाया गया कि इस्पात संयंत्र केवल टाउनशिन में बने रिहायशी आवास का संपत्तिकर दे रहा है। जबकि खाली जमीन, उद्यान, धार्मिक एवं व्यवसायिक परिसर का संपत्तिकर जमा ही नहीं कर रहा है। लगातार राजस्व की हानि पर रिसाली निगम ने सख्ती के साथ वसूली के लिए पत्र लिखा है।

लगेगा 2 प्रतिशत अधिभार

संयंत्र के अधिकारी अगर नोटिस में दर्शाए गई राशि को शीघ्र जमा नही करता है तो यह राशि हर माह बढ़ेगी। नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 138 की उपधारा 3 उपधारा 2 के अधीन एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिका भवन, भूमि के कर योग्य संपत्ति मूल्य का निर्धारण नियम 2021 के नियम 14 के अनुसार संपत्तिकर के अंतर की राशि तथा अंतर की राशि जमा करने की तिथि के बीच अंतर के प्रत्येक माह के लिए 2 प्रतिशत की दर से अधिभार लिया जाएगा।

रिसाली निगम ने भिलाई इस्पात संयंत्र को कर की राशि जमा करने कहा है। अगर भिलाई इस्पात संयंत्र इस संबंध में किसी भी प्रकार का पक्ष रखना चाहता है तो वह नोटिस प्राप्त होने से 15 दिवस के भीतर अपना पक्ष रख सकता है। पक्ष नहीं रखने पर अंतर की राशि और अधिरोपित राशि की वसूली नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार एकतरफ I कार्यवाही की जाएगी।

मोनिका वर्मा
आयुक्त
नगर पालिक निगम रिसाली

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

पोल्ट्री फार्म से गांव में फैली डायरिया, महामारी से कम नहीं

रायपुर। तिल्दा-नेवरा के ग्राम पंचायत सिंनोधा में वेंकटरमा पोल्ट्री फार्म और मानपुर स्थित फोनेक्स पोल्ट्री फार्म से निकलने वाली बदबू से ग्रामीण परेशान हैं। फार्म से फैल रही दुर्गंध इतनी तेज है कि लोग सिर्फ अनुकूल हवा की दिशा में ही भोजन कर पाते हैं।

स्थानीय निवासियों को बदबू के कारण उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मुर्गियों के मल को खुले में फेंकने से आसपास के क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। ग्राम पंचायत सिंनोधा के पूर्व सरपंच लक्ष्मणगिरी और सोहन कुमार ने चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। बारिश का पानी अपशिष्ट को बहाकर सड़कों और नालियों के माध्यम से गांव में ला सकता है।

बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 29 कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का आयोजन 29 मई 2025 बुधवार को किया जाएगा। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र मंडल की आधिकारिक वेबसाइट https://vyapamcg.cgstate.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने के समय से कम से कम एक घंटा पहले पहुंचना अनिवार्य होगा।

परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक रहेगा। अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र केवल ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध होगा, डाक द्वारा किसी को नहीं भेजा जाएगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या विद्यालय द्वारा जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लाना आवश्यक होगा। इसके अभाव में परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मंडल के हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 या मोबाइल नंबर +91 8269801982 पर संपर्क कर सकते हैं।

संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2024-2025 के लिए आवेदन आमंत्रित

रायपुर। संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2024 और 2025 के लिए प्रदर्शनकारी कला क्षेत्रों के उत्कृष्ट युवा कलाकारों से 07 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। संगीत, नृत्य, रंगमंच, पारम्परिक-लोक-आदिवासी संगीत, नृत्य, रंगमंच तथा पपेटरी-मूक अभिनय तथा पारम्परिक संश्रित कलाएं जैसे वाद्ययंत्र निर्माण तथा मुखौटा निर्माण के कलाकार आवेदन कर सकते हैं। ऐसे कलाकारों से जिनकी आयु दिनांक 1 अप्रैल 2025 को न्यूनतम 40 वर्ष या अधिक हो आवेदन संक्षिप्त बायो-डेटा, जन्म प्रमाण-पत्र की छायाप्रति, यथोचित फोटोग्राफ उपलब्धियों के संबंध में अखबारों में प्रकाशित आलेखों की कतरनों की छायाप्रतियां जमा करना आवश्यक है।

निर्धारित प्रपत्र में स्पष्ट पूर्ण रूप से भरे गए प्रस्ताव तथा ऑनलाईन नामांकन की जानकारी सहित आवेदन पत्र 7 जुलाई, 2025 तक संचालक, संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, सेक्टर-27, नवा रायपुर अटल नगर, छग को प्रेषित किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले नामांकन पर विचार नहीं किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए आवेदक संस्कृति विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

रायपुर में कल से होगी अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक 29 से 31 मई, 2025 तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम सभागार में आयोजित की जा रही है। इससे पूर्व 28 मई को विद्यार्थी परिषद के विभिन्न आयाम व गतिविधियों की बैठक रहेगी जिसमें 250 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे साथ ही इस तीन दिवसीय बैठक में देश के सभी राज्यों से आए 478 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में शिक्षा, पर्यावरण, आंतरिक सुरक्षा, वैश्विक भारत के संबंध, और समसामयिक विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देशभर में विद्यार्थी परिषद की आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तय करना और राष्ट्रीय छात्र-युवा नीति में ठोस हस्तक्षेप की दिशा सुनिश्चित करना है। 27 मई 2025 (सांस्कृतिक प्रदर्शनी का उद्घाटन)— इस आयोजन की शुरुआत 27 मई की संध्या को एक भव्य प्रदर्शनी के उद्घाटन से होगी, जिसमें छत्तीसगढ़ के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह प्रदर्शनी दस प्रमुख विषयों पर केंद्रित रहेगी, जिनमें छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं लोक संस्कृति, भारतीय गणतंत्र के 75 वर्ष, ढोकरा आर्ट, मूर्ति कला और बस्तर आर्ट आदि विषयों को चित्रित किया जाएगा।

भगवान बिरसा मुंडा शार्ध शती वर्ष— भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में अभाविप उनकी जन्मस्थली उलिहातु से पीतल के पात्र में मिट्टी लेकर इस बैठक में रायपुर ला रही है। यहां से वह मिट्टी देश के सभी प्रांतों में स्मृतिस्वरूप भेजी जायेंगी। 28 मई 2025 (नागरिक अभिनंदन समारोह)— 28 मई को नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम परिषद की सामाजिक सहभागिता, संवाद की परंपरा और राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ समरसता को दर्शायेगा।

29 से 31 मई 2025 (प्रमुख प्रस्ताव और वैचारिक दिशा सह विचार बैठक)— 29 से 31 मई के दौरान आयोजित राष्ट्रीय बैठक में पाँच प्रमुख प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इनमें भारतीय सेना के पराक्रम 'ऑपरेशन सिंदूर' व 'ऑपरेशन कगार' के लिए अभिनंदन प्रस्ताव, कोचिंग संस्थानों में अवैध व मनमानी फीस वृद्धि पर नियंत्रण हेतु ठोस नीति निर्माण, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के रिक्त पदों की शीघ्र नियुक्ति की माँग, आंतरिक सुरक्षा पर आधारित विमर्श, और भारत के वैश्विक संबंधों पर केंद्रित प्रस्ताव सम्मिलित हैं इसके साथ ही मार्च महीने में द्वारिका, गुजरात में संपन्न विचार बैठक में आए सुझावों पर भी व्यापक चर्चा होगी।

पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और नवाचार— यह संपूर्ण आयोजन पर्यावरणीय अनुकूलता को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। जिसमें सब्जियों के छिलकों से कंपोस्ट खाद तैयार की जाएगी, भोजन अपव्यय रोकने हेतु 'जीरो फूड वेस्ट' नीति लागू की गई है, तथा परिषद के सेवा प्रकल्प सेवार्थ विद्यार्थी के माध्यम से बचा हुआ भोजन सेवा बस्तियों में वितरित किया जाएगा। लकड़ी के बुरादों से जूठे बर्तनों को साफ़ कर जल-संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, वहीं गोधन से बने नेमप्लेट्स का उपयोग कर प्लास्टिक मुक्त आयोजन को मूर्त रूप दिया जायेगा। इस आयोजन के माध्यम से परिषद पर्यावरण के प्रति सजग, सामाजिक दायित्वनिष्ठ और नवाचारशील विद्यार्थी संगठन के रूप में अपनी भूमिका को और भी सशक्त बना रही है। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की यह बैठक समकालीन भारत में युवाओं की भूमिका को और अधिक सक्रिय व सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। रायपुर की सांस्कृतिक विरासत के बीच आयोजित यह आयोजन न केवल परिषद की संगठनात्मक ऊर्जा का प्रतीक बनेगी, बल्कि शिक्षा, पर्यावरण, आंतरिक सुरक्षा एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य जैसे निर्णायक विषयों पर विचारशील हस्तक्षेप की पहल भी बनेगी। कोचिंग संस्थानों की मनमानी फीस वृद्धि हो या केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति—विद्यार्थियों से जुड़े हर मुद्दे पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करना हमारी प्राथमिकता है।

मंत्रालय में अधिकारियों ने दी छत्तीसगढ़ के पहले मुख्य सचिव अरूण को श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्य सचिव रहे अरूण कुमार का कल निधन हो जाने पर यहां मंत्रालय महानदी भवन में शोक सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रखा गया एवं अधिकारियों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। अधिकारियों ने उनके शासकीय सेवा के दौरान किए गए कार्यों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। श्री कुमार को छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय 30 अक्टूबर 2000 राज्य के प्रथम मुख्य सचिव नियुक्त किया गया था। इस दौरान नवगठित राज्य के लिए यह समय बहुत महत्वपूर्ण था, ऐसे समय में उन्होंने मुख्य सचिव के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। अधिकारियों ने श्री कुमार के साथ अपनी कार्य अनुभव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए उनके व्यक्तित्व एवं उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता के बारे में बताया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य सचिव सुयोग्य कुमार मिश्रा ने स्व. अरूण कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए उनके साथ प्रशासनिक काम-काज का अनुभव और व्यक्तित्व के बारे में बताया। अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने श्री कुमार के साथ कार्य अनुभव के बारे में बताया कि वे उस समय धमतरी जिले के कलेक्टर थे। श्री साहू ने बताया कि उनके मुख्य सचिव बनने के बाद धान खरीदी एवं आपदा प्रबंधन संबंधी कलेक्टरों की मिटिंग थी। श्री साहू ने उन्हें एक कुशल प्रशासनिक अधिकारी बताते हुए उनके व्यक्तित्व के बारे में जानकारी दी। इसी तरह से अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने बताया कि अरूण कुमार जब मुख्य सचिव थे तब वे जांजगीर-चापा जिले के कलेक्टर थे। उन्होंने उस समय उनके प्रशासनिक कार्यों एवं कुशलता के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अपनी श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने भी अपने अनुभव बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते हुए प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह ने पूर्व मुख्य सचिव अरूण कुमार को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति के बाद दुर्ग जिले में पदस्थ थे और इस दौरान उन्हें पूर्व मुख्य सचिव कुमार से मिलने का अवसर मिला था। इसी तरह से पूर्व आईएएस एसके तिवारी, दिनेश श्रीवास्तव और आरएस विश्वकर्मा, सचिव कमलप्रीत सिंह, सचिव अंकित आनंद, सचिव श्रीमती शहला निगार, संभागायुक्त महादेव कावरे सहित अन्य अधिकारियों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

ललित जैसिंघ बने छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज को नया प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मिल गया है। ललित जैसिंघ को संगठन का प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति चैंबर के संगठनात्मक विस्तार और व्यापारिक हितों को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। ललित जैसिंघ का नाम प्रदेशभर के व्यापारिक समुदाय में सम्मानपूर्वक लिया जाता है। वे लंबे समय से चैंबर की विभिन्न इकाइयों से जुड़े रहे हैं और व्यापारिक नीति-निर्धारण में सक्रिय भागीदारी निभाते रहे हैं। उनकी प्रशासनिक क्षमता, संगठन कौशल और व्यापारिक हितों की समझ को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

चैंबर पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि ललित जैसिंघ के नेतृत्व में व्यापारियों की समस्याओं का बेहतर समाधान निकलेगा और सरकार तथा प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर कारोबारी माहौल को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। ललित जैसिंघ ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर चैंबर के पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि वे सभी व्यापारियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर शासन-प्रशासन के समक्ष उठाएंगे। उनकी नियुक्ति से संगठन में उत्साह का माहौल है और व्यापारी वर्ग को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संस्कृति विभाग अध्यक्ष गिदवानी ने अधिकारियों की बैठक ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम संस्कृत, पर्यटन एवं मनोरंजन और विरासत संरक्षण विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी ने नगर निगम संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निगम मुख्यालय भवन के संस्कृति विभाग अध्यक्ष कक्ष में बुलाकर बैठक ली।

राज्य शासन के आदेशानुसार नगर निगम रायपुर के सभी 10 जोनों के माध्यम से देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी को आमजनों तक पहुंचाने विविध सकारात्मक गतिविधियां करने परिचय के बारे में लोगो रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत स्थित शहीदों, महापुरुषों, वीरांगनाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सभी मूर्तियों, प्रतिमाओं की आवश्यक मरम्मत करने, संरक्षण करने, सम्मान करने के लिये आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश दिए हैं।

संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने अधिकारियों को राज्य शासन के आदेशानुसार देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयन्ती के अवसर पर महान शिव भक्तिनी, समाज सुधारक, कुशल प्रशासिका, पुण्यश्लोक की जीवनी से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा शक्ति प्राप्त करने सभी नगरवासियों तक उनकी जीवनी की जानकारी अधिकाधिक संख्या में पहुंचाने सभी जोनों के माध्यम से आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही करने और 31 मई 2025 तक प्रतिदिन नगर निगम रायपुर के क्षेत्र में विविध सकारात्मक गतिविधियाँ करने के निर्देश दिए हैं।

जिला उपभोक्ता आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों का प्रशिक्षण कार्यशाला 31 मई को

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल 31 मई को जिला उपभोक्ता आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। प्रशिक्षण पंडरी, पुराना बस स्टैण्ड के पास छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग भवन के सम्मेलन कक्ष में सबेरे सवा 10 बजे से शुरू होगा। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अमरेश्वर प्रताप साही एवं छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया द्वारा उपस्थित उपभोक्ता आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ में खाद्य सुरक्षा को लेकर सख्त अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार ने उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक ठोस पहल की है। राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा संचालित सघन निरीक्षण अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों- बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, दुर्ग और कबीरधाम में बड़ी संख्या में खाद्य प्रतिष्ठानों, होटल-रेस्टोरेंट, पेयजल इकाइयों और निर्माण केंद्रों की जांच की गई है।

इस दौरान कई नमूने संकलित किए गए और अवमानक तथा भ्रामक लेबल वाले उत्पादों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान की प्रमुख गतिविधियाँ: खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत निर्देश जारी किए कि सभी खाद्य कारोबारी पंजीयन या लाइसेंस अनिवार्य रूप से कराएं, समय-समय पर नवीनीकरण करें और स्वच्छता नियमों का कड़ाई से पालन करें। निरीक्षण के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में नियमों का उल्लंघन पाया गया, उन पर विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

बालोद जिले में कार्रवाई:

यहां बीबी फूड्स एंड बेवरेजेस समेत कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री और पेयजल के नमूने संकलित किए गए। स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कारोबारी संस्थानों को चेताया कि बिना पंजीकरण या भ्रामक लेबल के उत्पाद बेचना दंडनीय अपराध है। बेमेतरा जिले में जांच: यहां मिठाई दुकानें, किराना दुकानें, दूध उत्पाद इकाइयाँ और बर्फफैक्ट्रियों की व्यापक जांच की गई। 17 लाख रुपये का जुर्माना सात प्रतिष्ठानों पर लगाया गया। दो मामलों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जो बिना पंजीकरण और भ्रामक उत्पाद विक्रय से जुड़े थे।

राजनांदगांव जिले में सघन निगरानी

गर्मी में पेयजल उत्पादों में मिलावट की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए खासतौर पर ग्रामीण अंचलों में बिकने वाले ब्रांड जैसे 'अज्जु', 'पोपो एक्वा', 'पोम्पी मैंगो', 'पेप्सी' आदि के पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर के नमूने लिए गए। इसके साथ ही होटल-रेस्टोरेंट से आलू मसाला, बिरयानी राइस, कटहल जैसे व्यंजन के नमूने भी संकलित किए गए। अप्रैल 2025 से अब तक 211 नमूने संकलित किए गए हैं, जिनमें से 06 अवमानक, 03 मिथ्याछाप और 03 असुरक्षित पाए गए हैं। इन पर कानूनी कार्यवाही जारी है।

दुर्ग जिले में सख्ती: यहां खाद्य सामग्री और पैकेजिंग गुणवत्ता को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। 18 विधिक खाद्य नमूने और 20 पैकिंग सामग्री के नमूने लिए गए। पूर्व में लिए गए नमूनों की रिपोर्ट में मिठाई, खोवा, मसाले, बेकरी उत्पाद और पेयजल में गंभीर गुणवत्ता दोष सामने आए थे। चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा लिए गए 121 नमूनों में से 09 अवमानक पाए जाने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

कबीरधाम जिले में निष्कर्ष

यहां 08 नमूने संकलित किए गए, जिनमें 08 अवमानक और 01 मिथ्याछाप पाया गया। प्रकरणों को एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां 'बादशाही द ढाबा' को 20,000 और 'न्यू कल्पना रेस्टोरेंट' को 5,000 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री का बयान: राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विभाग के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा राज्य सरकार नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध और गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा यह सघन निरीक्षण अभियान जनस्वास्थ्य की रक्षा की दिशा में एक सराहनीय पहल है। विभागीय अधिकारी तत्परता से कार्य कर रहे हैं और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य खाद्य प्रयोगशालाओं में परीक्षण की प्रक्रिया के पूरा होते ही दोषी प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि नागरिकों को गर्मी के इस संवेदनशील मौसम में मिलावट रहित और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिल सके।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स फोरम की प्रांतीय बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं से प्रधानमंत्री को अवगत करने का लिया निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, पेंशनर्स फोरम की प्रांतीय बैठक में पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु प्रधानमंत्री को पत्र से अवगत कराने का निर्णय लिया गया। प्रदेश संयोजक बीपी शर्मा ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि फोरम की बैठक राजपत्रित अधिकारी संघ कार्यालय शंकर नगर रायपुर में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश के विभिन्न पेंशनर संघ के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें प्रमुख रूप से निम्नांकित समस्याओं पर चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से निराकरण करने हेतु निर्णय लिया गया। महंगाई राहत धारा 49(6) के तहत मध्य प्रदेश से सहमति लेने की की बाध्यता को समाप्त की जाए। महंगाई राहत के साथ एरियर्स भुगतान केंद्र सरकार के समान किया जाए। प्रदेश में लंबित पेंशन प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया जावे, साथ ही सेवानिवृत्ति तिथि को समस्त स्वत्वों का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए।

पेंशनरों को उपचार हेतु कैशलेस की सुविधा अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाए। उक्त सुविधा का लाभ शासन द्वारा जारी समस्त मान्यता प्राप्त अस्पतालों से किया जाए। जिसकी सीमा कम से कम दस लाख तक निर्धारित किया जावे। प्रदेश स्तरीय पेंशनर फोरम की बैठक में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा, पेंशनर फोरम के प्रदेश संयोजक बीपी शर्मा, आर के रिछारिया, चेतन भारती, यशवंत देवान, आर के ठाकुर, कौशल वर्मा, उमेश मुदलियार, सुनील नायक, आरएन नायक, पूर्णानंद नेताम, सी एल दुबे, एएन झा, कृष्णा प्रसाद तिवारी विद्यासागर ध्रुव, श्रवण कुमार ठाकुर, मधुकांत यादु, तुलसीराम राठौड़, रमेश ठाकुर, विनोद चंद्राकर, भागीरथी साहू, दुबे लाल सेन, घनश्याम पुरी, लोकेश कुमार, रोमनाथ नायक, अरुण बघेल भागवत जैन, धरमपाल वर्मा, पंकज नायक, बी पी कुशेल सहित प्रांतीय एवं विभिन्न जिला के जिला संयोजक उपस्थित रहे।

कोरोना वायरल के इन्फेक्शन से उबरी शिल्पा शिरोडकर, फोटो शेयर कर बताया- अब ठीक महसूस कर रही हूं

1990 के दशक की बॉलीवुड हिट फिल्मों और बिग बॉस 18 में अपनी उपस्थिति के लिए मशहूर अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर कोविड-19 से ठीक हो गई हैं और उन्होंने प्रशंसकों को आश्वस्त किया है कि वह ठीक हैं। 1990 के दशक की बॉलीवुड हिट फिल्मों और बिग बॉस 18 में अपनी उपस्थिति के लिए मशहूर अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर कोविड-19 से ठीक हो गई हैं और उन्होंने प्रशंसकों को आश्वस्त किया है कि वह ठीक हैं। 51 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी साझा की, इससे कुछ ही दिन पहले उन्होंने खुलासा किया था कि उनका कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है।

उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा आखिरकार ठीक हो गई, ठीक महसूस कर रही हूँ, आपके प्यार के लिए धन्यवाद। आपका गुरुवार बहुत अच्छा हो। इसे मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक की एक शांत तस्वीर के साथ पोस्ट किया, जिसे एक कार के अंदर से लिया गया था। शिरोडकर का 19 मई को वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया था और उन्होंने तुरंत अपने अनुयायियों को एक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से सूचित किया, जिसमें उन्हें सुरक्षित रहने और मास्क पहनना जारी रखने का आग्रह किया गया था। उनकी शुरुआती पोस्ट में लिखा था, नमस्ते लोगों! मेरा COVID के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया है।

80 और 90 के दशक के अंत में हिंदी सिनेमा में अपने यादगार अभिनय के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री, हाल ही में 'बिग बॉस 18' में आने के बाद सुर्खियों में लौटीं। शो में, उन्होंने विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा, चुम दरंग, न्यारा बनर्जी, मुस्कान बामने और एलिस कौशिक के साथ स्क्रीन साझा की। सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए रियलिटी शो में उनके समय ने न केवल उन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया, बल्कि उनके अद्भुत शारीरिक परिवर्तन से सभी को प्रभावित भी किया।

मार्च में, शिल्पा ने खुलासा किया कि उन्होंने शो में अपने समय से 13-14 किलो वजन कम किया है, उन्होंने एक सशक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में प्रशंसकों के साथ अपनी प्रगति साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी बिगबॉस यात्रा विकास, सीखने और बदलाव के बारे में रही है! नए मैं का आनंद ले रही हूँ! काम के मोर्चे पर, शिल्पा शिरोडकर 'जटाधारा' में दिखाई देने वाली हैं, जो एक आगामी अखिल भारतीय अलौकिक फंतासी थ्रिलर है। यह फिल्म बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की तेलुगु डेब्यू के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है। 'जटाधारा' में सुधीर बाबू, रवि प्रकाश, दिव्या विज और रेन अंजलि भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। शिरोडकर ने 2000 में अपरेश रंजीत से शादी की और एक बेटी की माँ हैं। वह अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर की बहन भी हैं, जिनकी शादी तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू से हुई है।

डिजिटल डर से जंगल की जंग तक, एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर ने किया प्रोजेक्ट्स में कमाल

तेजी से उभरती एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर 2025 में दो दमदार प्रोजेक्ट्स के साथ तहलका मचाने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों में वो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगी एक तरफ साइकोलॉजिकल थ्रिलर, तो दूसरी ओर जंगल में रोमांच से भरपूर कहानी।

तेजी से उभरती एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर 2025 में दो दमदार प्रोजेक्ट्स के साथ तहलका मचाने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों में वो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगी एक तरफ साइकोलॉजिकल थ्रिलर, तो दूसरी ओर जंगल में रोमांच से भरपूर कहानी। ये रोल्स ना सिर्फ उनकी एक्टिंग की रेंज दिखाएंगे, बल्कि ये भी साबित करेंगे कि साक्षी अब सिर्फ उभरती नहीं, खुद की सीमाएं तोड़ने वाली कलाकार बन चुकी हैं।

साक्षी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में सबसे पहला है नोक नोक, कौन है, जो एक डर और रहस्य से भरी नई वेब सीरीज़ है। इसे सनशाइन प्रोडक्शंस ने बनाया है और ये जल्द ही अमेजन पर रिलीज़ होने वाली है। इस सीरीज़ में साक्षी 'सिम्मी' नाम की एक लड़की का रोल निभा रही हैं, जो एक ऐसे खौफनाक जाल में फंस जाती है जहां एक ऐप, एक ख्वाहिश और एक खूनी की मौजूदगी सब कुछ उलट-पलट कर देती है। ये कहानी डर और सस्पेंस से भरी होगी, और साक्षी इसमें एक अलग ही रूप में नजर आएंगी।

साक्षी ने कहा, इस साल का सफर मेरे लिए

एक जबरदस्त रोमांच है और मैं इसका हर लम्हा एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा, सिम्मी का किरदार निभाना मेरे लिए एक ऐसी चुनौती थी जिसकी उम्मीद नहीं थी, ये रोल इमोशनली बहुत गहरा था, दिमागी तौर पर तगड़ा और हर सीन ने मुझ पर अपनी छाप छोड़ी।

इस प्रोजेक्ट को गंभीर और पेचीदा बताते हुए साक्षी ने इशारा किया कि नोक नोक, कौन है, कोई आम थ्रिलर नहीं है। यह ऐसी कहानी है जो रातों की नींद उड़ा दे और सिम्मी इस पूरे तूफान के बीचोंबीच है। लेकिन सस्पेंस यहीं खत्म नहीं होता। नोक नोक, कौन है के बाद साक्षी अब एकदम अलग माहौल और जॉनर में नजर आने वाली हैं अपने अगले प्रोजेक्ट मोगली में। पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बन रही इस फिल्म में साक्षी निभा रही हैं जैस्मिन का किरदार, जो सीधा ले जाएगा दर्शकों को जंगली, अनछुए और खतरनाक जंगलों की दुनिया में।

एक तूफान खत्म होते ही मैं सीधा जंगल की ओर बढ़ रही हूं! साक्षी ने मुस्कुराते हुए कहा। जैस्मिन का किरदार मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है, इसमें कई परतें हैं और इसने मुझे खुद के एक नए रूप से मिलवाया है। एक तरफ जहां सिम्मी के रूप में मुझे एक कातिल से जूझना पड़ा, वहीं जैस्मिन के रूप में मुझे जंगली हालातों में खुद को जिंदा रखना है। ये दो बिलकुल अलग दुनियाएं हैं और मुझे मजा आ रहा है इन दोनों छोरों को जीने में।

एक पैर सस्पेंस से भरे साइकोलॉजिकल थ्रिलर में और दूसरा हाई-स्पेक्स सर्वाइवल ड्रामा में रखते हुए, साक्षी मडोलकर का ये साल बिल्कुल आम नहीं होने वाला। चाहे वो टेक्नोलॉजी से जुड़ी डरावनी दुनिया के रहस्यों में खो जाएं या फिर प्रकृति के बीच जंगली हालात से लड़ रही हों, वह ऐसी कहानियों में पूरी जान लगा रही हैं, जो इमोशनल और फिजिकल दोनों तरह की ताकत मांगती हैं। अगर साक्षी की ये परफॉर्मेंस वाकई उनकी बातों जैसी होंगी, तो दर्शकों के लिए एक जबरदस्त और यादगार सफर होने वाला है।

पूजा हेगड़े की स्टारर 'रेट्रो' 31 मई को ओटीटी प्रीमियर के लिए तैयार

फिल्म 31 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। सूर्या की विशेषता वाले रेट्रो का एक पोस्टर शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा, एक पवित्र भाला। एक गुप्त पहचान। युगों की गाथा। (फायर इमोजी)। 31 मई को नेटफ्लिक्स पर तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रेट्रो देखें।

नेटफ्लिक्स ने सोमवार को घोषणा की कि सूर्या की मुख्य भूमिका वाली फिल्म उसके ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। इंस्टाग्राम पर नेटफ्लिक्स ने यह भी बताया कि फिल्म दर्शकों के लिए कब से स्ट्रीम होगी।

रेट्रो ओटीटी पर कब और कहां रिलीज होगी

यह फिल्म 31 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। सूर्या की विशेषता वाले रेट्रो का एक पोस्टर शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा, एक पवित्र भाला। एक गुप्त पहचान। युगों की गाथा। (फायर इमोजी)। 31 मई को नेटफ्लिक्स पर तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रेट्रो देखें।

'रेट्रो' कुछ हफ्ते पहले ही सिनेमाघरों में आई थी, लेकिन स्टार-स्टडेड कास्ट और उच्च उम्मीदों के बावजूद, फिल्म ने तमिल क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया और इसे बहुत कम प्रतिक्रिया मिली, खासकर तेलुगु भाषी क्षेत्रों में जहां इसका प्रदर्शन काफी कम रहा। फिल्म की नाटकीय रिलीज के दौरान, ट्विटर पर प्रशंसकों ने फिल्म की स्टाइलिश प्रस्तुति, आकर्षक एक्शन दृश्यों और दमदार अभिनय की प्रशंसा की, विशेष रूप से सूर्या द्वारा पारीवेल पारी कन्नन के रूप में दमदार अभिनय और पूजा हेगड़े के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को उजागर किया।

रेट्रो के बारे में, बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन

रेट्रो ने भारत में 60.26 करोड़ की शुद्ध कमाई की, जबकि सकल संग्रह 70.97 करोड़ है। फिल्म ने दुनिया भर में 96.97 करोड़ की सकल कमाई की। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या के साथ पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। रेट्रो सूर्या के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है।

सिंदूर वाले इंडियन लुक के बाद वेस्टर्न बनीं एश्वर्या राय, काले स्ट्रैपलेस गाउन में रेड कार्पेट पर उतरी अभिनेत्री

रतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किए गए परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्हें अपनी बेटी आराध्या बच्चन का हाथ थामे होटल से बाहर निकलते देखा गया। उनके साथ खुद डिजाइनर भी थे। ऐश्वर्या ने बाहर खड़े प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाकर भी देखा। ऐश्वर्या ने अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए हाथ हिलाया।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने पहले दिन के लुक से इंटरनेट पर धूम मचा दी। अभिनेत्री ने सिल्वर ज़री और रोज़ गोल्ड वर्क वाली आइवरी मनीष मल्होत्रा की साड़ी पहनी थी। सबसे ज़्यादा चर्चा उनके सिंदूर लुक की हुई जो काफी आकर्षक थी। लेकिन जहाँ प्रशंसक अभी भी उनके पहले दिन के लुक से उबरे नहीं हैं, वहीं उन्होंने दूसरे दिन अपने लुक से फिर से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। ऐश्वर्या, भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किए गए परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्हें अपनी बेटी आराध्या बच्चन का हाथ थामे होटल से बाहर निकलते देखा गया। उनके साथ खुद डिजाइनर भी थे। ऐश्वर्या ने बाहर खड़े प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाकर भी देखा। ऐश्वर्या ने अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए हाथ हिलाया।

इंस्टाग्राम पोस्ट में गुप्ता कहते हैं, ऐश्वर्या राय बच्चन अरब ने 'हेइरेस ऑफ क्लैम' पहना है, जो एक कस्टम क्रिएशन है जिसे ड्रेप्ड फॉर्म और आध्यात्मिक विवरण में कल्पित किया गया है। गाउन को चांदी, सोने, चारकोल और काले रंग के फटने में ब्रह्मांड के एक अमूर्त प्रतिपादन के साथ हाथ से कढ़ाई की गई है, जिसमें आयाम और प्रकाश को पकड़ने के लिए माइक्रो ग्लास क्रिस्टल का उपयोग किया गया है।

उन्होंने बोल्ड रेड लिप्स और ज्वेलरी में लटकते हुए इयररिंग और रिंग पहनी थी जिसमें उनका उल्टा वी रिंग भी शामिल था। अपने बालों के लिए उन्होंने अपने सिग्नेचर स्लीक हेयरस्टाइल के बजाय सॉफ्ट बीच कर्ल के साथ साइड-पार्टेड हेयर चुना। इस साल के कान फिल्म फेस्टिवल में भारतीयों की मजबूत मौजूदगी है। पायल कपाड़िया इस साल मुख्य प्रतियोगिता जूरी में शामिल हुईं। शर्मिला टैगोर और सिमी गरेवाल रेड कार्पेट पर चलीं और सत्यजीत रे की 1970 की क्लासिक अरण्येर दिन रात्रि के नए बहाल संस्करण के विश्व प्रीमियर का हिस्सा बनीं। करण जौहर, नीरज घायवान, ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा अपनी फिल्म होमबाउंड के लिए मौजूद थे।

सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने 3 फिल्में करने के बाद छोड़ दिया बॉलीवुड

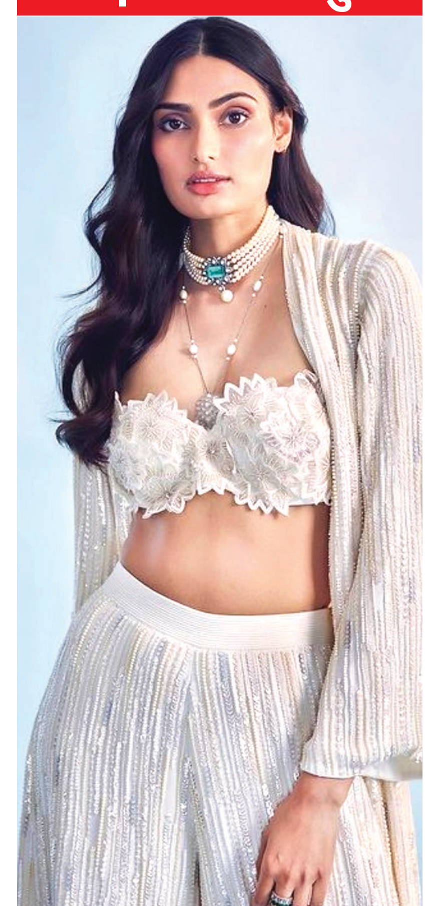

पापा की लाडली ने लिया ये बनने का फैसला

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने हाल ही में खुलासा किया कि उनकी बेटी अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड छोड़ दिया है। हेरा फेरी अभिनेता ने साझा किया कि वह समय जब अथिया उनके पास आई और कबूल किया कि उसे और फिल्में करने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने हाल ही में खुलासा किया कि उनकी बेटी अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड छोड़ दिया है। हेरा फेरी अभिनेता ने साझा किया कि वह समय जब अथिया उनके पास आई और कबूल किया कि उसे और फिल्में करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि अथिया हीरो (2015), मुबारकां (2017) और मोतीचूर चकनाचूर (2019) जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। सुनील शेट्टी ने आगे खुलासा किया कि मोतीचूर के बाद उनकी बेटी को कई फिल्में मिलीं, लेकिन उसने इससे दूर रहने का फैसला किया।

ज़ूम के साथ बातचीत के दौरान, सुनील से उनकी बेटी की आगामी परियोजनाओं के बारे में पूछा गया। इस पर, उन्होंने जवाब दिया कि उसने अभिनय छोड़ने का फैसला किया है, और उसके फैसले की सराहना भी की। हेरा फेरी के अभिनेता ने कहा, उसने कहा, 'बाबा, मैं नहीं करना चाहती' और वह चली गई। और यही बात है जिसके लिए मैं उसे सलाम करता हूं, 'मुझे कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं फिल्में नहीं करना चाहती'। उन्होंने कहा मोतीचूर चकनाचूर के बाद, उसके रास्ते में बहुत कुछ आया। 'लेकिन मैं नहीं करना चाहती। मैं सहज हूं, आप जानते हैं?।

सुनील ने आगे कहा कि अथिया वर्तमान में अपने जीवन की सर्वश्रेष्ठ भूमिका - मातृत्व में व्यस्त हैं। आज, उसे अपने जीवन की सर्वश्रेष्ठ भूमिका मिली है। आप जानते हैं, वह सर्वश्रेष्ठ फिल्म में काम कर रही है, और यही जीवन है, अपनी माँ की भूमिका और वह इसे पसंद कर रही है।

अथिया शेट्टी ने अपने निजी जीवन के लिए सुर्खियाँ बटोरना जारी रखा क्योंकि वह 2023 में शादी करने से पहले काफी समय तक केएल राहुल को डेट कर रही थी। दोनों ने शेट्टी के खंडाला फार्महाउस में एक निजी समारोह में शादी की। इस साल 24 मार्च को इस जोड़े ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। अपनी बच्ची का नाम बताते हुए, जोड़े ने एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हमारी बच्ची, हमारा सबकुछ। इवारा ९ ईश्वर का उपहार।

साबुन के एड के लिए तमन्ना भाटिया को चुना गया, लेकिन मच गया जमकर बवाल

कर्नाटक सरकार ने तमन्ना भाटिया को मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इसके बदले में उन्हें दो साल के लिए 6.20 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला है। हालांकि, इस कदम की कड़ी आलोचना हो रही है।

कर्नाटक सरकार ने तमन्ना भाटिया को मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इसके बदले में उन्हें दो साल के लिए 6.20 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला है। हालांकि, इस कदम की कड़ी आलोचना हो रही है। लोगों ने सवाल उठाया है कि किसी कन्नड़ अभिनेता को क्यों नहीं चुना गया। वाणिज्य एवं उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर मंत्री एमबी पाटिल ने इस फैसले का बचाव किया।

गुरुवार को कर्नाटक सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना में तमन्ना को मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर नामित किया गया, जो ऑनलाइन प्रसारित हुई। इसमें उल्लेख किया गया है कि उन्हें दो साल के लिए एंबेसडर बनने के लिए 6.20 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा, जैसा कि मनी कंट्रोल ने पुष्टि की है।

इस कदम को कन्नड़ समर्थक समूहों, स्थानीय कार्यकर्ताओं और विपक्षी नेताओं की ओर से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। वाणिज्य और उद्योग, बुनियादी ढांचा मंत्री, एमबी पाटिल ने कहा कि यह निर्णय विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के बाद लिया गया है, जिसमें अखिल भारतीय प्रसिद्धि, सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और युवा समूह के बीच अनुयायी शामिल हैं। तमन्ना को दो साल के लिए 6.2 करोड़ रुपये का अनुबंध दिया गया है।

तमन्ना भाटिया को लेकर क्या है विवाद?

अनजान लोगों के लिए, कन्नड़ संगठन कर्नाटक रक्षण वेदिके ने तमन्ना को ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि केएसडीएल कन्नड़ लोगों के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा है और किसी गैर-कन्नड़ भाषी व्यक्ति को इसका चेहरा बनाना अनुचित है। सामाजिक कार्यकर्ता मारिलिंगगौड़ा पाटिल ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर गैर-कन्नड़ अभिनेत्री की नियुक्ति पर आपत्ति जताई है। सरकार ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय क्षेत्रीय पहचान पर आधारित नहीं है, बल्कि व्यावसायिक रणनीति पर आधारित है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर 'ओडेला 2' में हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा के साथ मुख्य भूमिकाओं में देखा गया था। वह अगली बार लोक थ्रिलर 'वन - फोर्स ऑफद फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा की मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी।

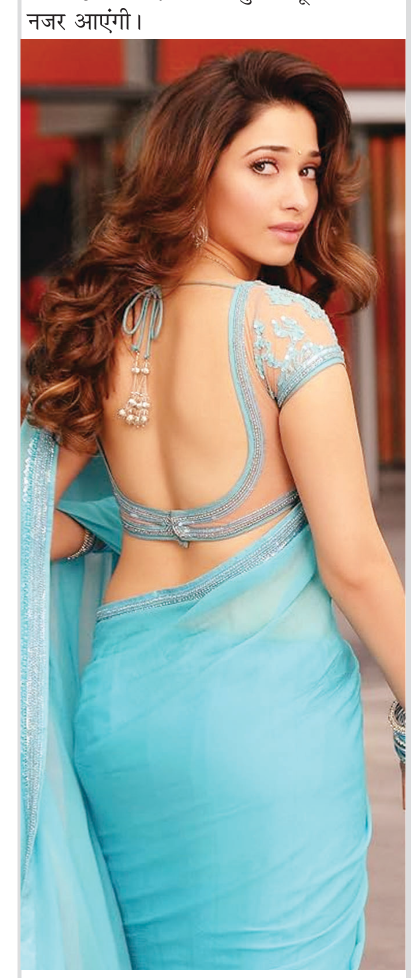

दिन में दो बार दांतों को ब्रश करना क्यों जरूरी है? जानिए इसके 5 महत्वपूर्ण कारण

दांतों को दिन में दो बार ब्रश करना एक अच्छी आदत है, जो न केवल आपके दांतो के स्वास्थ्य को बनाए रखती है, बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। सुबह और रात दोनों समय ब्रश करने से बैक्टीरिया हटते हैं, जिससे मुंह की बदबू दूर होती है और कैविटी का खतरा कम होता है। आइए जानते हैं कि दिन में दो बार ब्रश करने के क्या-क्या फायदे हैं।

मुंह की बदबू से मिलेगा छुटकारा

दिन में दो बार ब्रश करने से मुंह की बदबू दूर होती है। जब आप सुबह उठते हैं तो आपके मुंह में बैक्टीरिया होते हैं, जो बदबू का कारण बनते हैं। इन्हें हटाने के लिए सुबह उठते ही सबसे पहले ब्रश करना चाहिए। रात में सोने से पहले भी ब्रश करना जरूरी है ताकि रात भर के जमा हुए खाने के कण और बैक्टीरिया खत्म हो जाएं। इस तरह आप हमेशा ताजगी महसूस करेंगे और आपका मुंह साफ रहेगा।

कैविटी का खतरा होगा कम

दांतों को नियमित रूप से ब्रश करने से कैविटी होने का खतरा कम होता है। जब आप दिन में दो बार ब्रश करते हैं तो खाने के कण और बैक्टीरिया हट जाते हैं, जो कैविटी का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा नियमित ब्रश करने से दांतों की सतह पर जमा गंदगी नहीं होती, जिससे कैविटी होने की संभावना कम हो जाती है। इस तरह आप अपने दांतों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं।

दांतों की संवेदनशीलता होगी कम

अगर आपके दांत संवेदनशील हैं तो दिन में दो बार ब्रश करने से आपकी समस्या में सुधार हो सकता है। नियमित ब्रश करने से मसूड़ों में खून आना भी कम हो जाता है और मसूड़े मजबूत होते हैं। इसके अलावा नियमित ब्रश करने से दांतों की सतह पर जमा गंदगी हटती है, जिससे कैविटी होने की संभावना कम होती है। इससे आपका मुंह स्वस्थ रहता और आपको दर्द या असुविधा नहीं होती।

मसूड़ों की सुरक्षा होगी सुनिश्चित

दिन में दो बार ब्रश करने से सिर्फ दांत ही नहीं बल्कि मसूड़े भी स्वस्थ रहते हैं। जब आप ब्रश करते हैं तो ब्रश की नरम सतह मसूड़ों को हल्के हाथों से मसाज करती है, जिससे खून का बहाव बढ़ता है और मसूड़े मजबूत होते हैं। इसके अलावा नियमित ब्रश करने से मसूड़ों में जमा गंदगी हटती है, जिससे सूजन और संक्रमण का खतरा कम होता है। इस तरह आपके मसूड़े स्वस्थ और सुरक्षित रहते हैं।

पाचन तंत्र रहेगा स्वस्थ

दांतों को नियमित रूप से ब्रश करने से न केवल मुंह की सेहत बेहतर होती है बल्कि पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है। जब आप खाना खाते हैं तो उसके कण दांतों के बीच फंस जाते हैं, जो बैक्टीरिया का कारण बनते हैं। इन्हें हटाने के लिए रोजाना सुबह और रात में ब्रश करना जरूरी है ताकि पाचन तंत्र में किसी प्रकार की रुकावट न आए। इस तरह आप अपने पाचन तंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं।

विष्णु के सुशासन में लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण का भरोसा : साव

गौरव पथ, सीसी रोड और मुक्तिधाम सहित 70 लाख रुपए के कार्यों की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव सुशासन तिहार के अंतर्गत बेमेतरा के ग्राम जेवरी में आयोजित समाधान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जेवरी के हायर सेकंडरी स्कूल प्रांगण में आयोजित समाधान शिविर में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके द्वार तक पहुंचकर कर रही है।

हमारी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। सुशासन तिहार में पूरे राज्य में 40 लाख आवेदन आए हैं जो इस बात को दर्शाता है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण का भरोसा है।

सरकार गांवों, गरीबों और किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक दीपेश साहू और छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू भी समाधान शिविर में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समाधान शिविर में जेवरी और आसपास के गांवों के लिए 70 लाख रुपए के कार्यों की घोषणा की। इनमें जेवरी और बैजलपुर ग्राम पंचायत में गौरव पथ के लिए 10-10 लाख रुपए, जेवरी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 6 लाख रुपए तथा फरी, खिलोरा और अमोरा ग्राम पंचायतों में सीसी सड़क निर्माण के लिए 8 लाख रुपए शामिल हैं। उन्होंने फरी (तेलाईकुड़ा) में 6 लाख रुपए, डुंडा में 2 लाख रुपए एवं निनवा, रजकुड़ी (भीमपुरी), कंतेली और फरी ग्राम पंचायतों में 12 लाख रुपए की लागत से मुक्तिधाम निर्माण की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री साव ने समाधान शिविर में कहा कि यहां शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित हैं। लोगों को अलग-अलग भटकने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी गारंटियों को सरकार पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 महीने में 18 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं। अभी सर्वेक्षण जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, बोनस वितरण तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से माताओं-बहनों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है।

श्री साव ने समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जमीनी पहुंच एवं लाभान्वित हितग्राहियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांग रामकृष्ण मार्कण्डेय को ट्राइसिकल सौंपा। श्री साव ने हितग्राहियों को राशन कार्ड, नोनी सुरक्षा पासबुक, आयुष्मान 'वय वंदन' कार्ड, महिला-बाल विकास योजनाओं के प्रमाण पत्र और किसानों को स्प्रेयर भी प्रदान किया। उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन कराया और गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित किया।

जेवरी में आयोजित समाधान शिविर में क्लस्टर के 12 ग्राम पंचायतों के रहवासियों के आवेदनों और मांगो का निराकरण किया गया। बेमेतरा के कलेक्टर रणवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल और बेमेतरा जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती हेमा दिवाकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में समाधान शिविर में मौजूद थे।

सुशासन तिहार बना पवन सिंह के लिए राहत की सौगात, अब मिलेंगी सरकारी योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम कुदरी के किसान पवन सिंह मरावी के चेहरे पर इन दिनों खुशी साफ झलक रही है। वजह है, सुशासन तिहार में मिला उन्हें समाधान का तोहफा। बीते कई सालों से उनके सरकारी अभिलेखों में नाम की त्रुटि थी, जिस कारण वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से वंचित रह जाते थे। हर बार फॉर्म भरते, लेकिन गलती के कारण नाम सूची से बाहर हो जाता। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू हुए सुशासन तिहार में जब पवन सिंह ने अपनी समस्या रखी, तो प्रशासन ने तुरंत गंभीरता दिखाई। राजस्व विभाग ने तेजी से जांच कर उनके बी-1 रिकॉर्ड और किसान किताब में नाम की गलती को ठीक कर दिया।

अब जब अभिलेखों में सब कुछ सही हो गया है, तो पवन सिंह को उम्मीद की नई किरण दिखी है। वे अब न सिर्फ किसान सम्मान निधि बल्कि अन्य सरकारी योजनाओं का भी पूरा लाभ उठा सकेंगे। खुश होकर पवन सिंह कहते हैं कि मैं शासन और प्रशासन का दिल से धन्यवाद करता हूँ। अब मुझे वो सब मिलेगा जिसका मुझे वर्षों से इंतजार था। पवन सिंह की कहानी इस बात की मिसाल है कि अगर जनता सजग हो और सरकार संवेदनशील, तो समस्याएं सुलझ सकती हैं। सुशासन तिहार ने एक बार फिर ये साबित कर दिया है कि बदलाव मुमकिन है।

खास खबर

खेल विभाग में सीधी तथा संविदा पदों पर होगी शीघ्र भर्ती: खेल मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में खेल विभाग में वित्त विभाग के अनुमति प्राप्त सीधी भर्ती तथा संविदा के रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए है। उन्होंने राज्य खेल अलंकरण के लिए भी आवेदन पत्र आमंत्रित कराने के लिए अधिकारियों से कहा है। निवास कार्यालय रायपुर हुई बैठक में सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग श्री हिमशिखर गुप्ता, संयुक्त सचिव श्री सुखनाथ अहिरवार सहित खेल संचालनालय के अधिकारी भी उपस्थित थे। खेल मंत्री श्री वर्मा ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा संचालित खेल गतिविधियों, अधोसंरचनात्मक कार्यों, युवा गतिविधियों आदि विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने खेल अधिकारियों को राज्य खेल अलंकरण वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लिए आवेदन आमंत्रित करने हेतु विज्ञापन तत्काल जारी करने कहा। उन्होंने कहा कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग में स्वीकृत एवं वित्त विभाग से अनुमति प्राप्त सीधी भर्ती तथा संविदा के रिक्त पदों पर शीघ्रातिशीघ्र भर्ती की कार्यवाही की जाए। छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष 2025-26 के बजट में सम्मिलित निर्माण कार्यों के प्रस्ताव, पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताओं का संभाग मुख्यालयों में आयोजन की रूपरेखा तैयार करने, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा प्रचार प्रसार के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री वर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिलों को आबंटित राशि के मदवार समीक्षा करते हुए मैदानी स्तर पर कबड्डी मैट की मांग को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ब्लॉक में नियमानुसार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने कहा। उद्योग समूहों के सी.एस.आर. मद से प्रारंभ की जाने वाली नवीन खेल अकादमियों की समीक्षा तथा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में नवीन आवासीय अकादमी सी.एस.आर. मद से प्रारंभ करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री वर्मा ने खेल अधिकारियों से कहा कि वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में प्रावधानित कार्यों की स्वीकृति के लिए अपेक्षित जानकारियां जिलों से शीघ्र मंगाकर प्रस्ताव भेजा जाए इसके साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों की विगत वर्षों की लंबित घोषणा की पूर्ति हेतु आगामी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए।

केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का पूरी मेहनत से करें क्रियान्वयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका कोण्डागांव जिले में अपने प्रथम प्रवास के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में राज्यपाल ने केन्द्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का क्रियान्वयन के लिए पूरी मेहनत के साथ कार्य करते हुए जिले के विकास की गति में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय योजनाओं के जमीन स्तर पर क्रियान्वयन को देखने के लिए फील्ड पर जाने और हितग्राहियों से फीडबैक लेने को कहा।

इसके पूर्व राज्यपाल ने जिला कार्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर मौलश्री के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बैठक में राज्यपाल ने जल संरक्षण एवं संचयन पर जोर दिया और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सहभागिता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जलाशयों, तालाबों का समुचित ध्यान रखें ताकि वर्षा का जल संचयन हो सके और उसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान एक योजना नहीं बल्कि एक मिशन है, जो कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत सभी एक पेड़ अवश्य लगाएं और आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने सभी शासकीय कार्यालय परिसर में हरियाली लाने के लिए पौध रोपण करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने योग को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी लेते हुए कहा कि योग में निरंतरता बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम पर कहा कि जिले में मरीजों की संख्या को देखते हुए इसके उन्मूलन के लिए गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। मरीजों के इलाज के लिए गोद लेने के साथ ही निरंतर पोषण आहार मिले यह सुनिश्चित करें। उन्होंने ड्रॉप आउट बालिकाओं को पुनः स्कूलों में लाने के लिए प्रयास करने को कहा और उनकी उपस्थिति में निरंतरता के लिए नियमित पालकों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा के लिए समाज में जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि बच्चों को किताबों और समाचार पत्र पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। राज्यपाल ने नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत जिले में संचालित गतिविधियों की जानकारी लेते हुए नशे के खिलाफ अभियान चलाने पुलिस विभाग को निर्देशित किया और कहा कि नशे पर रोकथाम के लिए कड़ी निगरानी बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह 06वीं अनुसूची का क्षेत्र है और यहां शिक्षा और चिकित्सा सेवा पहुंचाना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। आदिवासी अंचल में ब्रेस्ट कैंसर को लेकर जागरूकता फैलाना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने रेडक्रॉस के माध्यम से स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं की स्क्रीनिंग एवं और बीमारी के प्रति जागरूक करने कहा। साथ ही उन्होंने रेडक्रॉस की सदस्यता बढ़ाने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा और सुरक्षित जिंदगी के लिए यातायात नियमों के पालन के लिए नागरिकों को जागरूक करने कहा। राज्यपाल ने महिलाओं को समूह के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया, विशेष कर स्थानीय मांगों के अनुरूप गतिविधियां शुरू करने को कहा।

बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार उपस्थित थे।

अहिल्या बाई के आदर्श आज भी प्रासंगिक : संदीप शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मराठा शासन की महान रानी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती पर भाजपा जवाहर नगर मंडल द्वारा मंगलवार को दुलार धर्मशाला, बढ़ई पारा में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अहिल्या बाई के न्यायप्रिय, दूरदर्शी और लोक कल्याणकारी शासन को आधुनिक भारत के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्या बाई होलकर का शासनकाल न्याय, कुशल प्रशासन और महिला सशक्तिकरण के लिए आज भी मिसाल है। उन्होंने 1767 से 1795 तक मालवा क्षेत्र में शासन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और व्यापार के क्षेत्र में कई दूरदर्शी कार्य किए।

उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने न केवल मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण कराया, बल्कि सड़कों, पुलों और व्यापारिक सुविधाओं के विकास में भी अग्रणी रहीं। उनके शासन में महिलाओं को शिक्षा और आर्थिक भागीदारी में आगे बढ़ने का अवसर मिला, जो उस युग में असाधारण था।

कार्यक्रम में जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष संदीप जघेल, पार्षद एवं माइक्रो इम्प्रूवमेंट कमेटी सदस्य अवतार सिंह बागल, भाजपा प्रवक्ता तौकीर रजा, चंद्रेश शाह, रमेश शर्मा, अर्पित सूर्यवंशी, असगर अली, मतराम वर्मा, मनोज शर्मा और महिला मोर्चा की गीता रेड्डी, रेणुका शुक्ला, प्रियंका साहू सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संगोष्ठी संयोजक सोनू राजपूत, सूरज शर्मा, प्रणीति जैन और संतोष निहाल का विशेष योगदान रहा। मंडल अध्यक्ष संदीप जघेल ने सभी वक्ताओं, कार्यकर्ताओं और कार्यक्रम सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक मूल्यों और प्रेरक नेतृत्व की भावना को बढ़ावा मिलता है।

यह संगोष्ठी न केवल अहिल्या बाई होलकर के योगदान को स्मरण करने का अवसर बनी, बल्कि उनके न्याय, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों को आज की राजनीति और समाजसेवा में अपनाने का आह्वान भी। भाजपा जवाहर नगर मंडल के इस आयोजन ने दिखा दिया कि अतीत की प्रेरणा, वर्तमान की दिशा बन सकती है।

नाला में बने चेक डेम से पानी को तरसते किसानों के चेहरे पर आई मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नाला में बने चेक डेम से पानी को तरसते किसानों के चेहरे पर आई मुस्कानकिसान की मेहनत सफल तभी हो सकती है जब किसान के पास समय पर सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो। ग्राम पंचायत बरदर में नाले के किनारे रहने वाले कई किसानों के पास सिंचाई का संसाधन न होने से उन्हें अपने खेतों से मनचाहा लाभ नहीं मिल पाता था। गांव के किनारे बहने वाले नाले से पूरा बारिश का पानी बहकर आगे हसदेव नदी में जाकर मिलता था और उसके बाद गर्मी आते तक वह नाला पूरी तरह से जल विहीन हो जाता था। बारिश में खेतों मे कटाव करके बहने वाली बारिश का पानी बाद में सिंचाई तो दूर उनके पशुओं के लिए पेयजल भी नहीं दे पाता था। लेकिन बीते वित्तीय वर्ष में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बनाए गए एक पक्के चेक डेम से अब गांव का एक कोना हर मौसम में हरा भरा रहता है। यहां आधा दर्जन किसान पंपों के सहारे अपने 17 एकड़ से अधिक खेतों में सिंचाई का लाभ लेते हुए दो फसलें और तीन फसलें तक लेने लगे हैं।

मई की तपती गर्मी में भी बरदर के दर्जन भर किसानों के खेतों में उड़द की फसल लहलहा रही है। मनेन्द्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले के जनपद पंचायत खड़गवां का एक ग्राम पंचायत बरदर है। यहां गांव के किनारे से एक मोरघनिया नाला बहता है।

सुशासन तिहार : आम जनता की समस्याओं के निराकरण का एक सशक्त माध्यम- उद्योग मंत्री देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज अधिकारियों से कहा कि वे सुशासन तिहार के समापन के पश्चात आगे भी जनसमस्याओं के प्रति निरंतर सवेदनशील रहते हुए उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण का कार्य एलर्ट मोड पर जारी रखें, हमारी सरकार ने सुशासन को सर्वोच्च स्थान पर रखा है, प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कार्यभार सम्हालने के पश्चात् राज्य में एक बार फिर सुशासन स्थापित हुआ है, भ्रष्ट्राचार मुक्त शासन प्रशासन की संकल्पना को मूर्त रूप मिला है, हम सबको मिलकर इसे निरंतर बनाए रखना है।

इस आशय के विचार उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आज नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोन में आयोजित समाधान शिविर के दौरान कही। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित किए जा रहे सुशासन तिहार-2025 के अंतर्गत आज नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोन कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने शिविर में लगाए गए नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न विभागों व जिले के विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया तथा विभिन्न विभागों को प्राप्त मांग व शिकायत संबंधी आवेदनों के निराकरण की समीक्षात्मक जानकारी ली। समाधान शिविर को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि देश में लगातार तीसरी बार श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने, उनके कुशल नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर अपनी जो सशक्त पहचान बनाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद है कि वे लगातार जनता के हितों की चिंता करते हैं, लोगों की समस्याएं त्वरित रूप से दूर हो, उनकी विकास संबंधी मांगे पूरी हो, उन्हें आवश्यक सुविधाएं सुगम रूप से मुहैया हो, इस दिशा में उनके द्वारा लगातार शासन प्रशासन को मार्गदर्शन मिल रहा है और इसी का परिणाम है, यह सुशासन तिहार-2025 का आयोजन।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सर्वमंगला नगर जोन में निगम से संबंधित 676 आवेदन मिले, इनमें से 672 का निराकरण हो चुका, यह एक बड़ी उपलब्धि है, यह एक बानगी है, सुशासन तिहार की सफलता की। उन्होंने कहा कि जब-जब हमारी सरकार बनती है अधिकतम जनकल्याण के कार्य होते हैं, डॉ.रमन सिंह जब प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो गरीबों को मुफ्त में चावल देने वाली उनकी सरकार विश्व की पहली सरकार थी, उस वक्त मैं महापौर था, उन्हीं के आशीर्वाद से गली-गली में सी.सी.रोड, नाली, बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं पर ऐतिहासिक कार्य कराए गए थे, जिनके साक्षी हम सब हैं। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपस्थित नागरिकों को दी। इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में मात्र 15 माह में कोरबा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं तथा उनके द्वारा लगभग 400 करोड़ रूपये के विकास कार्यो की स्वीकृतियाँ विभिन्न मदों के अंतर्गत दिलाई गई हैं। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री व उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव तथा उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा का तेजी से विकास होगा, हमारा कोरबा समस्यामुक्त शहर का स्वरूप लेगा, यह आश्वस्त करती हूँ।

खास खबर

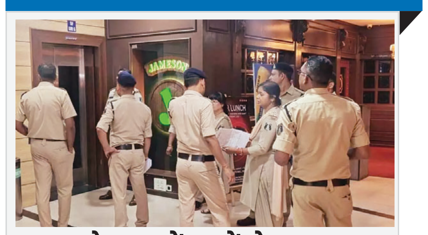

रायपुर के स्पा सेंटर में सेक्स बाजार का हुआ पर्दाफाश

रायपुर। न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित स्पॉ सेंटर के महिला संचालक के खिलाफ पीटा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है, आईजी अमरेश मिश्रा के द्वारा दिये गये, दिशा निर्देश एवं उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के मार्गदर्शन में 26 मई को रायपुर शहर स्थित संचालित लगभग 80 से अधिक स्पा सेंटरों में औचक चेकिंग की गयी।

चेकिंग के दौरान थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित लक्जरी वेलनेस सेलून एण्ड स्पॉ सेंटर को चेक करने पर वहां आपत्तिजनक वस्तुएं प्राप्त हुई, साथ ही पाया गया कि स्पॉ के महिला संचालक द्वारा अन्य राज्यों से लड़कियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जाता है। स्पॉ में कार्य करने वाली लड़कियों ने भी पूछताछ में महिला संचालक द्वारा उनसे जबरन देह व्यापार कराना बताया गया। जिस पर स्पॉ सेंटर के महिला संचालक के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 103/2025 धारा 3, 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

फांसी के फंदे पर लटकी मिली युवती की लाश, हत्या की आशंका

रायपुर। लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद से युवती का प्रेमी जो कथित तौर पर बागेश्वर धाम गया हुआ है, उसका मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा है, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है। यह घटना रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत लिली चौक स्थित एक मकान का है जहा मृतका की पहचान 23 वर्षीय आरती हनोतवाल के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार आरती पिछले कुछ महीनों से कृष्णा साहू नामक युवक के साथ इसी मकान में किराए पर लिव-इन में रह रही थी। सोमवार की सुबह जब मकान मालिक ने युवती के कमरे का दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो शक होने पर उन्होंने अंदर झाँका। आरती का शव फांसी पर लटका देख उनके होश उड़ गए, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही पुरानी बस्ती थाना पुलिस और मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे। आरती के परिजनों ने इस घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि आरती आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकती।

वहीं, आरती के साथ लिव-इन में रहने वाला युवक कृष्णा साहू, जो कथित तौर पर बागेश्वर धाम दर्शन के लिए गया हुआ है, उसका मोबाइल फोन घटना के बाद से लगातार बंद आ रहा है। पुलिस उससे संपर्क करने की हरसंभव कोशिश कर रही है, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। प्रेमी का फोन बंद होना और उसका मौके पर न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। मकान मालिक से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के संबंध में और जानकारी मिल सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा।

समूह बनाकर लोन की रकम हड़पने वाली शातिर ठग मंजू सोनी गिरफ्तार, कई महिला समूहों को लगाया चूना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन की योजनाओं के तहत बैंकों से समूह बनाकर लोन निकालना और ज्यादा फायदे का झांसा देकर रकम को हड़पने वाली शातिर महिला को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस एक्टिव हुई थी। जब महिला को पता चला कि उसके खिलाफ शिकायत हो गई है तो वह पुलिस बचने लगातार छिप रही थी। आखिरकार पुलिस ने आरोपिया मंजू सोनी को गिरफ्तार कर लिया। मंजू सोनी पर अलग अलग समूह से 20 लाख रुपए की ठगी का आरोप है।

दरअसल इस मामले में माया सोनी ने थाना सुपेला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि कृष्णा नगर सुपेला निवासी मंजू सोनी कृष्णा नगर सुपेला में मार्केटिंग का काम करती थी। इसके व्दारा शासन व्दारा महिलाओं को सशक्त करने एवं व्यवसायिक दक्षता एवं आत्म निर्भर बनने के लिए स्मॉल फाइनेंस की सुविधा दी गई है। मंजू सोनी ने इसका लाभ उठाते हुए गरीब महिलाओं को प्रलोभन देकर उनके नाम पर अलग अलग स्माल बैंको के नाम से अलग-अलग समुह बनाकर महिलाओं को ग्राम शक्ति बैंक, बंधन बैंक, सुर्योदय बैंक, आशीर्वाद बैंक, ईशाख बैंक, सुभ्रा बैंक, सत्सा बैंक से लोन पास करवाकर पैसा निकलवाया।

इसके बाद अपने घर कृष्णा नगर सुपेला में बुलवाकर महिलाओं के पूर्व से संचालित बैंक खाते में लोन की रकम आ जाने पर उन्हीं महिलाओं को षड्यंत्र पूर्वक अन्य प्रलोभन देकर उनके खाते में आई लोन रकम में से लगभग 80 प्रतिशत रकम नगद में निकलवाकर अपने पास रख लेती थी। लगभग छह से सात माह तक किस्त का भुगतान करवाती थी और उस बीच में अन्य समुह बनवाकर यही प्रक्रिया को अपनाती थी। इस प्रकार मंजू सोनी ने लगभग 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। रिपोर्ट पर थाना सुपेला में मंजू सोनी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना एवं आरोपियां की पतासाजी कर आरोपियां मंजू सोनी, कृष्णा नगर सुपेला थाना सुपेला को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर विभिन्न ग्रुप के माध्यम से अनेक महिलाओं के नाम अल्फा ग्रुप बनाकर लोन गृह उघोग एवं छोटे स्तर पर व्यवसाय चलाने के नाम पर रकम लेना स्वीकार किया। इस रकम से एक स्कूटी सीजी सीएच 8547 कृष्णा नगर के घर का विक्रय सौदा कर अन्यत्र सम्पत्ति क्रय कर फरार होने की तैयारी में थी लेकिन इससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक विजय यादव, उप निरीक्षक मनीष वाजपेयी, सहायक उपनिरीक्षक पुरण साहू, प्रधान आरक्षक सुबोध पाण्डेय, महिला आरक्षक क्षमा बांधव, अरक्षक सूर्यप्रताप, दुगेश सिंह का विशेष योगदान रहा।

साइको चोर : चुराता था लड़कियों के अंडर गारमेंट, सीसी टीवी में कैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। क्या कोई युवक ऐसा भी हो सकता है जिसे लड़कियों व महिलाओं के अंडर गारमेंट चुराने का शौक हो। छत्तीसगढ़ में एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमें एक साइको युवक ट्रेनिंग सेंटर की लड़कियों व महिलाओं की ब्रा, पेंटी व अन्य अंडगारमेंट चुराकर भाग जाता। ट्रेनिंग सेंटर की लड़कियां काफी समय से परेशान थी। इस बीच युवक की करतूत सीसी टीवी में रिकार्ड हो गई। शिकायत के पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद युवक ने जो बयान दिया वह चौंकाने वाला था।

यह पूरा मामला सरगुजा जिले के मैनपाट के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र का है।का है। मैनपाट के रोपाखार में वेदांता स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के ट्रेनिंग सेंटर में करीब 40-45 लड़कियां हैं। ट्रेनिंग सेंटर में महिलाओं और युवतियों को सिलाई की ट्रेनिंग दी जाती है। हर 3 तीन माह के बैच में 45 से 50 युवतियां और महिलाएं सिलाई की ट्रेनिंग लेने के लिए आती हैं। ट्रेनिंग सेंटर में रहने की सुविधा थी और यहां लड़कियां रहती भी थी। लड़कियां नहाने के बाद जहां अपने अंडर गारमेंट व अन्य कपड़ें सुखाती हैं वहां पिछले दो साल से चोरी हो रही है।

केवल अंडरगारमेंट ही चुराता था युवक

ट्रेनिंग सेंटर की लड़कियों की शिकायत थी कि उनके अंडर गारमेंट चोरी हो रहे हैं बाकि कपड़े टंगे रहते हैं। इसके बाद यहां एक सीसी टीवी कैमरा स्टॉल कराया गया। 17 मई की शाम अंडर गारमेंट्स चोर फिर पहुंचा। वह चोरी करते हुए CCTV कैमरे में कैद हो गया। इसके बाद 17 मई को ट्रेनिंग सेंटर के ट्रेनर मसुंदरी राठिया ने अंडर गारमेंट्स चोर के खिलाफ कमलेश्वरपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस एक्टिव हुई और साइको युवक को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने कहा- लड़कियों के अंडरगारमेंट चुराना उसका शौक

पुलिस ने बताया कि चोर का नाम सोमार साय कोरवा (22) है। वह मैनपाट के सुपलगा का रहने वाला है। वह चोरी किए गए अंडर गारमेंट्स को मैनपाट के कैंप नंबर एक में छुपाकर रखता था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए अंडर गारमेंट्स को मैनपाट के कैंप नंबर 1 से बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि उसे लड़कियों के अंडर गारमेंट चुराना उसका शौक है और इन्हें वह जमा कर रहा था। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 305ए और 331(3) BNS के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

कोरबा में बकरियों पर गिरी आकाशीय बिजली, 15 की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 15 बकरियों की मौत हो गई। छुईडोडा सोल्वा में मंगलवार दोपहर मौसम खराब होने के दौरान यह घटना हुई। इससे 3 किसानों को नुकसान पहुंचा है।प्रभावित किसानों ने बताया कि पिछले दो दिनों से जिले में मौसम बदला हुआ है। सुबह से काली घटा, धूप, छांव और कभी हल्की तो कभी तेज बारिश हो रही है। मंगलवार सुबह से हल्की बारिश हो रही थी। किसान रोज की तरह बकरियों को गांव से लगे मैदान में चराने ले गए थे।

बकरियां करीब एक घंटे तक मैदान में चर रही थीं। इस दौरान हल्की बारिश के साथ आकाशीय बिजली चमकने लगी। सभी बकरियां एक पेड़ के नीचे एकत्रित हो गईं। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से सभी बकरियों की मौत हो गई। किसान उस समय पास के एक दूसरे पेड़ के नीचे थे। इससे किसान रामलाल, दुलार और अमर सिंह को आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस और प्रशासन को घटना की जानकारी दे दी गई है। राजस्व परिपत्र के तहत प्रभावित लोगों को मुआवजा देने की कार्रवाई शुरू की गई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी दी है।

नक्सल विरोधी अभियान में एक और सफलता सुकमा में 18 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। दक्षिण बस्तर डिवीजन और पीएलजीए बटालियन नंबर-01 से जुड़े 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित कुल 18 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पित सभी नक्सलियों पर कुल 39 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

इस अभियान को छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल सदस्य मुक्त ग्राम पंचायत योजना और नक्सल आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के तहत अंजाम दिया गया है। योजना के अनुसार, नक्सलियों से मुक्त घोषित हर ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रुपये की विकास राशि प्रदान की जाती है। इन्हीं प्रयासों से प्रभावित होकर कई नक्सली समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए आगे आ रहे हैं। बता दें कि आत्मसमर्पित नक्सलियों में 2 पुरूष पर 8-8 लाख, 1 अन्य पुरूष और 1 महिला नक्सली पर 5-5 लाख, 6 अन्य पुरूष पर 2-2 लाख और 1 अन्य पुरूष नक्सली पर 1 लाख कुल 39 लाख रुपये के ईनाम घोषित है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर के सुसाइड मामले पुलिस की कार्रवाई 9 आरोपी गिरफ्तार, अश्लील वीडियो किया था वायरल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र में आयुर्वेदिक डॉक्टर के सुसाइड के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कांकेर जिले के चारामा के रहने वाले हैं। डॉक्टर का अश्लील वीडियो वायरल किया गया और इसके बाद गांव की पंचायत ने 5 लाख का जुर्माना भी लगाया था। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर डॉक्टर ने फांसी लगा ली थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बता दें कांकेर ब्लाक के पुरी गांव में पदस्थ आयुर्वेदिक डॉक्टर ने 18 मई को छावनी थाना क्षेत्र में अपने भजीते के घर जाकर फांसी लाकर सुसाइड कर लिया। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ था। सुसाइड नोट में अश्लील वीडियो बनाने वाले और उसे वायरल करने वाले आरोपियों के नाम लिखे थे। पुलिस की जांच में प्रताड़ना के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या करना पाया गया। धारा 108 बीएनएस. का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना दौरान मृतक मामले में धारा 238, 3(5), बीएनएस, 67 बी आईटीएक्ट जोड़ा गया।

छावनी पुलिस की टीम ने जांच का दायरा बढ़ाया और कांकेर पहुंची। कांकेर के चारामा से पुलिस ने वीडियो बनाने और वायरल करने वाले 9 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आशीष यादव,सचिन हिडको, रितेश नरेटी, डिगेश सिन्हा,अनिल सिन्हा,सतीश साहू, शत्रुहन सिन्हा, कान्हा मरकाम, नवीन निर्मलकर शामिल हैं। आरोपियो के द्वारा मृतक डांक्टर व लड़की का डॉक्टर के मकान मे 14 मई 25 की रात को छज्जे पर चढ़कर आपत्तिजनक स्थिति का विडियो बनाकर उसे वायरल किया था। फ़िलहाल छावनी पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। प्रकरण में थाना प्रभारी छावनी नवी मोनिका पाण्डे, उप निरीक्षक वरूण देवता, एएसआई दिनेश सिंह, प्रधान आरक्षक विजय शुक्ला, आरक्षक आकाश तिवारी एवं थाना चारामा के थाना प्रभारी जितेन्द्र साहू एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शराब का जखीरा बरामद, बिलासपुर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। हाल ही में राजधानी रायपुर से आबकारी विभाग की टीम 110 किलोमीटर की सफर तय कर चकरभाठा और आसपास के गांवों में अवैध शराब का जखीरा जब्त कर और अवैध शराब बनाने वालों की गिरफ्तारी कर आगे की कार्रवाई करने पुलिस व आबकारी विभाग को प्रकरण सौंप दिया था। अब चकरभाठा पुलिस ने भी उसी तर्ज पर घरों में अवैध शराब बनाते महिलाओं को शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। शराब की जब्ती और शराब बनाने वाली महिलाओं को कोर्ट के हवाले कर दिया है।

नगर पालिका बोदरी के वार्ड क्रमांक 09 वर्मा मोहल्ला एवं वार्ड क्रमांक 05 अचानकपुर चकरभाठा से 04 महिला आरोपियों को अवैध रूप से बिक्री करने हेतु रखे 210 लीटर महुआ शराब कीमती 42000 रुपये के साथ किया गया गिरफ्तार। 2000 किलो महुआ लहान को बरामद कर पुलिस ने मौके पर ही नष्ट कर दिया है। एसएसपी रजनेश सिंह ने जिला बिलासपुर के समस्त थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बिक्री करने वालों के विरूद्ध शख्त कार्यवाही करने के दिये गये निर्देश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुज कुमार एसीसीयू एवं नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा रश्मित कौर चावला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चकरभाठा उत्तम साहू द्वारा थाना स्तर पर टीम बनाकर 26 मई 2025 को वर्मा मोहल्ला वार्ड कमांक 09 एवं वार्ड क्रमांक 05 अचानकपुर पहुंचकर 04 अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी कर शराब रेड कार्यवाही की गई।

लक्ष्मी बाई वर्मा अपने घर में उपस्थित मिली जिसके घर के आंगन को चेक करने पर 03 नग पीला रंग के 15-15 लीटर वाले प्लास्टिक जेरीकेन में भरा कुल 45 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 9000 रुपये मिला। रानी वर्मा के घर के आंगन को चेक करने पर 04 नग पीला रंग के 15-15 लीटर वाले प्लास्टिक जेरीकेन में भरा कुल 60 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 12000 रुपये मिला। अमचूरी भाई सौरा अपने घर में उपस्थित मिली जिसके घर के बाथरूम के बरामदा को चेक करने पर 03 नग पीला रंग के 15-15 लीटर वाले प्लास्टिक जेरीकेन में भरा कुल 45 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 9000 रुपये मिला। फोना सौरा अपने घर में उपस्थित मिली जिसके घर के आंगन को चेक करने पर 04 नग पीला रंग के 15-15 लीटर वाले प्लास्टिक जेरीकेन में भरा कुल 60 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 12000 रुपये मिला। वर्मा मोहल्ला के महिला आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर लगभग 2000 किलो महुआ लहान रखने की जानकारी दी, जिसे बरामद कर नष्ट किया गया है। चारों आरोपियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्यवाही कर रिमाण्ड पर कोर्ट के समक्ष पेश किया गया है।

गिरफ्तार महिलाओं में लक्ष्मी बाई वर्मा पति स्व. बीरबल वर्मा उम्र 34 वर्ष निवासी वर्मा मोहल्ला वार्ड क्रमांक 09 चकरभाठा थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर। रानी वर्मा पति स्व. दीपक वर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी वर्मा मोहल्ला वार्ड क्रमांक 09 चकरभाठा थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर। अमचूरी भाई सौरा पति स्व. रंगेत सौरा उम्र 55 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 05 अचानकपुर चकरभाठा बिलासपुर। फोना सौरा पति राजकुमार उम्र 45 साल निवासी वार्ड क्रमांक 05 अचानकपुर चकरभाठा बिलासपुर शामिल हैं।

हिरण की खाल व सींग के साथ पकड़ाए 3 तस्कर

रायपुर। वन्यजीवों के अवैध व्यापार पर लगाम कसते हुए रायपुर वन विभाग और राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। विधानसभा रोड पर हिरण की खाल और सींग बेचने की फिराक में निकले तीन तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रायपुर निवासी आनंद श्रीवास्तव, पीपरछेड़ी निवासी भागीरथी, और तुला राम पटेल के रूप में हुई है। ये तीनों आरोपी हिरण के अवशेषों, खाल और सींग को अवैध रूप से बेचने की कोशिश कर रहे थे। सूचना मिलते ही रायपुर रेंज ऑफिस और राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की टीम ने तत्काल संयुक्त रूप से कार्रवाई की और विधानसभा रोड पर घेराबंदी कर तस्करों को हिरण के अवशेषों के साथ पकड़ा। बरामद की गई सामग्री को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रतिबंधित माना जाता है।

// कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग//
-:: मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक / ज0प्र0वि0/2025-26/12 — दुर्ग, दिनांक- 26.05.2025

नगर पालिक निगम, दुर्ग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नॉन एस.ओ.आर. दर पर निम्नांकित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से निम्नांकित तिथि को निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 02.06.2025
निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि - 09.06.2025
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि -16.06.2025
निविदा खोलने की तिथि -17.06.2025, शाम 4.30 बजे

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रुपये लाख में
1.	1HP Submersible Pump 18 Stage क्रय करने बाबत्।	रू. 9,84,500/-
2.	2HP, 3HP, 5HP Submersible Pump 15 Stage & 8 HP Submersible Pump 5 Stage Lota pump क्रय करने बाबत्।	रु. 6,04,500/-
3.	24 एम.एल.डी. एवं 42 एम.एल.डी. फिल्टर प्लांट में लगे पम्पों का मेन्टेनेस कार्य।	रू. 1,62,000/-
4.	24 एम.एल.डी. के पम्प नं. 06 पैनल के सॉफ्ट स्टाटर बदलने का कार्य।	रु. 1,99,000/-

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइड www.municipal corporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

गुलमोहर पेड़ के नीचे लगी मुख्यमंत्री की चौपाल कनकबीरा में उतरा सीएम साय का उड़नखटोला

आम ग्रामीणों से आत्मीयता के साथ किया संवाद: नाले में पुलिया निर्माण, मंगल भवन, कन्या छात्रावास और पंचायत भवन की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतिम चरण के अंतर्गत मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम कनकबीरा में उतरा। उन्होंने प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास परिसर के पास गुलमोहर पेड़ के नीचे अपनी चौपाल लगाई और योजनाओं की जानकारी लेते हुए आम ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आप लोगों से मिलने का अवसर मिला। आज आप सभी से मिलकर खुद को परिवार के बीच होने जैसा महसूस कर रहा हूं। मुख्यमंत्री साय ने सुशासन तिहार की सार्थकता को बताते हुए कहा कि पहले चरण में आवेदन लिए गए, दूसरे चरण में उन पर कार्यवाही हुई और अब तीसरे चरण में सरकार आपके गांव में पहुंची है। हमने बीते डेढ़ वर्षों में जनता के हित में कार्य किया है। सुशासन तिहार हमारा रिपोर्ट कार्ड भी है और सरकार द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन करने का अवसर भी। इसके माध्यम से हम जनकल्याणकारी योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति जान रहे हैं। हमारे अलावा मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सुशासन तिहार में शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने शपथ लेते ही प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के तहत कैबिनेट में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जरूरतमंदों को आवास मिलेगा, 'आवास प्लस' में जिनका नाम है, उन्हें भी आवास दिया जाएगा। हमने किसानों से किया गया वादा निभाते हुए 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 70 लाख से अधिक महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' की राशि सीधे उनके खातों में देकर आर्थिक समृद्धि और महिला सशक्तिकरण का द्वार खोला गया है। जो लाभार्थी अभी वंचित हैं, उन्हें भी जोड़ा जाएगा। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये किया गया है।

रामलला दर्शन योजना प्रारंभ कर हितग्राहियों को अयोध्या दर्शन कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री तीर्थ योजना को पुनः शुरू कर इच्छुक परिवारों को अपने पसंद के तीर्थस्थल तक जाने की सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 24 अप्रैल से ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग व अन्य सेवाओं की सुविधा मिलेगी। अभी यह सेवा 1460 पंचायतों में शुरू की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार तकनीक के उपयोग से भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद कर रही है। रजिस्ट्री के साथ नामांतरण की प्रक्रिया को सरल किया गया है। पीएससी भर्ती में गड़बड़ी की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की गई है और आने वाले समय में निष्पक्ष व पारदर्शी तरीकों से नई भर्ती होगी।

संवाद के माध्यम से परखी योजनाओं की हकीकत

ग्राम कनकबीरा में अचानक पहुंचे मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ी में संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था, राशन वितरण और महतारी वंदन योजना की राशि के संबंध में हितग्राहियों से जानकारी ली। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति की स्थिति पर भी बात की। उन्होंने किसानों को धान के साथ-साथ मक्का, उड़द, मूंग आदि लाभकारी फसलें लेने को प्रेरित किया।

मंगल भवन, कन्या छात्रावास और पंचायत भवन की घोषणा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कनकबीरा के आश्रित ग्राम नरगीखोल-लात नाले पर पुलिया, कनकबीरा में मंगल भवन और कन्या छात्रावास, तथा गोड़म में पंचायत भवन के निर्माण की घोषणा की। ग्राम कनकबीरा में चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री साय की नजर नीचे बैठे पूर्व विधायक शमशेर सिंह पर पड़ी। उन्होंने उन्हें आत्मीयता से पास बुलाया और कुर्सी पर बैठाया। बातचीत में पूर्व विधायक ने बताया कि वे क्षेत्र में समाज सेवा और मंदिर निर्माण कार्य कर रहे हैं।

85 वर्षीय भागीरथी साहू को भेंट किया अपना साफा

85 वर्षीय भागीरथी साहू, जो लाठी के सहारे चौपाल तक पहुँचे थे, मुख्यमंत्री की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते रहे। मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीयता से भेंट की और जाते समय अपना साफा उनके गले में डालकर सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कनकबीरा में दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना की और समस्त प्रदेशवासियों की समृद्धि, सुख-शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है, और जनकल्याण ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने बिरहोर महिलाओं को सौंपी पक्के आवास की चाबी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ में समीक्षा बैठक के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति की महिलाओं सहित पाँच महिलाओं को पक्के मकानों की चाबियाँ सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने धर्मजयगढ़ विकासखंड के कीदा गांव की बिरहोर जनजाति की दिलमत बाई, गुरुवारी बाई और शानीरो बाई को उनके नए आवास की चाबियाँ प्रदान की।

इसके साथ ही रायगढ़ जिले के बनोरा गांव की गीतांजलि सिदार और कुकुर्दा गांव की गुलाबी यादव को भी आवास योजना का लाभ मिला। मुख्यमंत्री के हाथों आवास की चाबी प्राप्त कर सभी हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय और सरकार के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण और जनहितैषी योजना है। सरकार की प्राथमिकता है कि हर पात्र व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए आवास मिले। इसके तहत अब तक बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवारों को लाभ पहुंचाया गया है और छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को आवास प्लस 2 योजना के माध्यम से आवास मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ प्रवास के दौरान जिले के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रायगढ़ जिला कार्यालय के सृजन सभा कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के पश्चात मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप एवं टैबलेट भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्र प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं और सरकार उनका हर संभव सहयोग करेगी।

रायगढ़ जिले की छात्रा कु. हेमलता पटेल ने कक्षा 10वीं में राज्य स्तर पर तीसरा स्थान, आयुषी कुमारी ने सातवां स्थान और रौनक चौहान ने नौवां स्थान प्राप्त किया। वहीं 12वीं की छात्रा कृतिका यादव ने छठवां और तरंग अग्रवाल ने आठवां स्थान हासिल किया। इसके साथ ही दिया पांडे ने एमएमएसई परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ जिले को दी 330 करोड़ 29 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

93.59 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित रायगढ़-धरमजयगढ़ मार्ग के चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुशासन तिहार के मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायगढ़ जिलेवासियों को 330 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से 24 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 220 करोड़ रुपए की लागत के 17 लोकार्पण एवं 110 करोड़ रुपए लागत के 7 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री की विशेष पहल पर रायगढ़ जिले में अनेक महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य पूर्ण हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जिन प्रमुख कार्यों का लोकार्पण किया उनमें 93 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत से रायगढ़-धरमजयगढ़ मार्ग का चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य लंबाई 56 कि.मी., 65 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत से पूंजीपथरा से तमनार मिलुपारा मार्ग लंबाई 27.50 कि.मी. (सी.सी.रोड) लंबाई 26 कि.मी., 16 करोड़ 92 लाख 37 हजार रुपए की लागत से जिला रायगढ़ के कसडोल-भैसगढ़ी-बडगांव होते हुए बरलिया तक सड़क मरम्मत/ निर्माण लंबाई 14.40 कि.मी., 8 करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से कोड़ातराई-पुसौर-सूरजगढ़ मार्ग का उन्नयन लंबाई 8.30 कि.मी., 7 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से बड़े भण्डार-उमरिया-पुसौर-रेंगालपाली मार्ग लंबाई 7.425 कि.मी. तथा 93 लाख 15 हजार रुपए की लागत से जिला रायगढ़ में परिवहन कार्यालय का भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने जिन प्रमुख कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया, उनमें 97 करोड़ 52 लाख रुपए की लागत से जिला रायगढ़ में इंटी ग्रेटेड स्पोर्ट्स काम्पलेक्स भवन का निर्माण कार्य, 3 करोड़ 92 लाख रुपए की लागत से गोतमा-कोतासुरा मार्ग लंबाई 3.50 कि.मी.का निर्माण कार्य, 2 करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से ग्राम-औरदा, शा.पू.मा.वि.से शास.गोदाम तक मार्ग लंबाई 2 कि.मी. का निर्माण कार्य, 1 करोड़ 27 लाख रुपए की लागत से भूतपूर्व सैनिक कल्याण एकीकृत परिसर-सह-मेडिकेयर परिसर रायगढ़ के निर्माण कार्य एवं 75 लाख 23 हजार रुपए की लागत से विकासखण्ड धरमजयगढ़ में शा.हाईस्कूल गेरसा का भवन निर्माण कार्य शामिल है।

इस दौरान कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष शिखा रविंद्र गवेल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, संभागायुक्त सुनील जैन, आई.जी. संजीव शुक्ला सहित जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

बुजुर्गों के सम्मान और कल्याण के लिए साय सरकार है प्रतिबद्धः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने राजधानी रायपुर के माना कैंप स्थित शासकीय नवीन वरिष्ठजन आश्रम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम परिसर में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और जरूरतों के संबंध में जानकारी ली।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बुजुर्गों के सम्मान और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की दिशा में तत्पर है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आश्रम की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए साफ-सफाई की स्थिति को और बेहतर बनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने आश्रम में स्वच्छता संबंधी मानकों का कठोरता से पालन करने तथा नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आश्रम में बुजुर्गों से आत्मीयता के साथ चर्चा करते हुए उनके स्वास्थ्य, खानपान, मनोरंजन एवं दैनिक आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस मौके पर आश्रम में निवासरत कई बुजुर्गों ने उनके समक्ष अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बुजुर्गों के सुझाव को गंभीरता से लेते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने आश्रम में निवास कर रहे बुजुर्गों को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण मिले, इसके लिए हर संभव प्रयास करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, आश्रम प्रबंधन समिति के सदस्यगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राजस्व अभिलेखों में जिस अधिकारी के लॉगिन से त्रुटिपूर्ण प्रविष्ठि होगी, उस पर होगी कड़ी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राजस्व अभिलेखों में त्रुटि के लिए संबंधित अधिकारी या कर्मचारी जिम्मेदार माने जाएंगे। यदि किसी अधिकारी के लॉगिन से गलत प्रविष्टि हुई है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने रायगढ़ में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समीक्षा बैठक में यह स्पष्ट निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों की ज़मीन, खेती, या अन्य दस्तावेजों में त्रुटि की वजह से जनता का प्रशासन पर से भरोसा न टूटे, इसके लिए जरूरी है कि राजस्व प्रणाली को जवाबदेह बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि त्रुटि सुधार कार्य पर राजस्व अधिकारी विशेष निगरानी रखें।

बैठक में मुख्यमंत्री ने लात नाला सिंचाई परियोजना के लंबे समय से अधूरे होने पर नाराजगी जताते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अटल सिंचाई योजना के तहत लंबित सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। गोमर्डा अभ्यारण्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 26 गांवों में भूमि रजिस्ट्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने का निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों का नियमित दौरा करने को कहा ताकि छोटी समस्याओं का तत्काल समाधान हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब जिले छोटे हो गए हैं, ऐसे में अधिकारी समय निकालकर अधिक से अधिक गांवों में पहुंचें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि किसानों को खाद-बीज उठाने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। डीएपी की संभावित कमी को देखते हुए वैकल्पिक उपायों पर किसानों को जानकारी दी जाए। उन्होंने फसल चक्र परिवर्तन के लिए भी किसानों को प्रेरित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने मानसून पूर्व तैयारियों की चर्चा करते हुए सर्पदंश से निपटने के लिए अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में एंटीवेनम दवाएं रखने के निर्देश दिए। रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में डेंगू व पीलिया जैसी बीमारियों को रोकने के लिए नगर निगम एवं प्रशासन को सजग रहने कहा। मुख्यमंत्री ने मैदानी जिलों में अवैध शराब की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने ओडिशा से लगते सीमावर्ती इलाकों में शराब की अवैध आवाजाही रोकने विशेष निगरानी की आवश्यकता बताई।

बैठक में रेशम उत्पादन, भू-जल स्तर में सुधार, पर्यटन विकास, सड़क मरम्मत और जन औषधि केंद्रों के प्रचार-प्रसार जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी जनता के सेवक हैं और जनकल्याण ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950